



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 74]
No. 74]नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, फरवरी 28, 2008/फाल्गुन 9, 1929
NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 28, 2008/PHALGUNA 9, 1929

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महाविदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 2008

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय : चीन के मूल के या वहाँ से निर्यातित रबड़ रसायनों अर्थात् एमबीटी, सीबीएस, टीडीक्यू, पीवीआई और टीएमटी तथा चीन एवं कोरिया गण. के मूल के या वहाँ से निर्यातित पीएक्स13 (6 पीपीडी) के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच ।

सं. 14/5/2007-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और उसके सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

क. प्रक्रिया

2. निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :

- निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) को उपर्युक्त नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग की ओर से नेशनल ऑर्गेनिक कं. लि., मुम्बई से एक लिखित याचिका प्राप्त हुई जिसमें चीन जन. गण. के मूल के या वहाँ से निर्यातित रबड़ रसायनों अर्थात् एमबीटी, सीबीएस, टीडीक्यू, पीवीआई और टीएमटी तथा चीन जन. गण. एवं कोरिया गण. (जिन्हें आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के या वहाँ से निर्यातित पीएक्स 13(6 पीपीडी) के पाटन का आरोप लगाया गया था।
- प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार जांच शुरू करने से पूर्व याचिकाकर्ता द्वारा किए गए पाटन संबंधी आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों/प्रतिनिधियों को अधिसूचित किया;
- प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा घरेलू उद्योग की ओर से प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर आरोपित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और उसके प्रभाव का निर्धारण करने तथा पाटनरोधी शुल्क की उस राशि का निर्धारण करने के लिए जिसे यदि वसूल किया जाएगा तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा, उप-नियम 6(1) के अनुसार संबद्ध देशों के मूल के या वहाँ से निर्यातित रबड़ रसायनों अर्थात् एमबीटी, सीबीएस, टीडीक्यू, पीवीआई और टीएमटी तथा पीएक्स 13 (6 पीपीडी) के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए 6 जुलाई, 2007 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया;

iv. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 6 जुलाई, 2007 की जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियाँ भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों, आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं और घरेलू उद्योग को भेजी और उनसे जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया;

v. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रतियाँ ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देशों के दूतावासों को उपलब्ध कराई;

vi. भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को नियम 6(2) के अनुसार जांच शुरुआत के बारे में सूचित किया गया और उनसे यह अनुरोध किया गया कि वे अपने देशों के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें। निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति निर्यातकों के नाम और पतों के साथ उनके पास भी भेजी गई थी।

vii. संगत सूचना माँगने के लिए प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देशों में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावलियाँ भेजी :

क्र. सं.	कम्पनी का नाम	देश
1	नेनजिंग केमिकल प्लांट	चीन
2	झेजियांग यांगजिया केमिकल फैक्टरी	चीन
3	शेन्डांग शैक्सियन केमिकल कं. लि.	चीन
4	झेनझियांग नं. 2 केमिकल फैक्टरी	चीन
5	हेबाई हौफेग केमिकल ग्रुप	चीन
6	क्विंगडाओ रबड़ केमिकल ग्रुप	चीन
7	शेन्झेंग हरिन इंडस्ट्रियल कंपनी	चीन
8	यीजिंग डांगफेग फाइन केमिकल्स	चीन
9	झिजियांग यीकिंग अल्ट्राफाइन पाउडर्स एंड केमिकल्स कं. लि.	चीन
10	शेन्डांग यंगू हुताई केमिकल कं. लि.	चीन
11	कोरिया कुमहो पेट्रोकेमिकल कं. लि.	कोरिया

viii. उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में चीन जन. गण. एवं कोरिया गण. के निम्नलिखित निर्यातकों ने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया। चीन के निर्यातकों ने भी बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया।

1. शिनजकेम (ग्रुप) कं.- शेन्डांग- चीन जन. गण.
2. शेन्डांग शैक्सियन केमिकल कं. लि.- चीन जन. गण.
3. शेन्डांग यंगू हुताई केमिकल कं. लि.- चीन जन. गण.
4. कोरिया कुमहो पेट्रोकेमिकल कं. लि.- कोरिया

ix. नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना माँगने के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों और उपभोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी गई थी :

क्र. सं.	कम्पनी का नाम
1.	जे. के. इंडस्ट्रीज लि., कोलकाता
2	सीएट लि., मुम्बई
3	अपोलो टायर्स लि., कोच्ची
4	बिरला टायर्स, कोलकाता
5	एम. आर. एफ. लि., चेन्नई
6	मेट्रो टायर्स लि., लुधियाना
7	पोद्दार टायर्स लि., लुधियाना
8	रेजन इंड लि., नई दिल्ली
9	रबड़ प्रोडक्ट्स लि., मुम्बई

x. अधिसूचना के उत्तर में ऑटोमोटीव टायर्स मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (एटीएमए), जे. के. इंडस्ट्रीज लि. तथा पीएमसी ग्रुप इंटरनेशनल से उत्तर प्राप्त हुआ है जिस पर इन जांच परिणामों में विचार किया गया है;

xi. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपान्तरण सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखा और यह फाइल हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण हेतु खुली रखी;

xii. पिछले तीन वर्षों और जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरों की व्यवस्था करने के लिए वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एंड एस) से अनुरोध किया गया था;

xiii. आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन की ईष्टतम लागत तथा उसे बनाने और बेचने की लागत निकाली गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा;

xiv. यह जांच 1 अप्रैल, 2006 से 31 मार्च, 2007 की अवधि (जांच अवधि) के लिए की गई थी। क्षति विश्लेषण के संदर्भ में रूझानों की जांच में अप्रैल, 2003-मार्च, 2004, अप्रैल, 2004-मार्च, 2005, अप्रैल, 2005-मार्च, 2006 तथा जांच अवधि शामिल थी।

xv. *** यह चिह्न इस अधिसूचना में आवेदक द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने नियमानुसार इसे गोपनीय ही माना है।

ख. विचाराधीन उत्पाद

3. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद निम्नलिखित रबड़ रसायन हैं :-

- i. रासायनिक विवरण 2-मर्कैप्टो बेंजोथियाजोल वाला एमबीटी, जिसके एक्सलेरेटर एम, एक्सलेरेटर एमबीटी आदि अन्य व्यापार/ब्रांड नाम हैं ।
- ii. रासायनिक विवरण एन-साइक्लोहेक्सिल-2-बेंजोथियाजोल सल्फेनामाइड वाला सीबीएस जिसके एक्सलेरेटर सीजेड, एक्सलेरेटर एसबीएस, सीबीएस आदि अन्य व्यापार नाम/ब्रांड नाम हैं ।
- iii. रासायनिक विवरण पोलिमराइज्ड 2,2,4- ट्राइमिथाइल-1,2-डाइहाइड्रोक्विनोलिन वाला टीडीक्यू जिसके टीएमआर या एनटीएक्सीडेंट आरडी आदि अन्य व्यापार/ब्रांड नाम हैं ।
- iv. रासायनिक विवरण एन-(साइक्लोहेक्सिलथियो) थेलिमाइड वाला पीवीआई जिसके एंटीएस्कॉर्ब एजेंट सीटीपी, पीवीआई आदि अन्य व्यापार/ब्रांड नाम हैं ।
- v. टेट्रामिथाइथिरम डाई सल्फ्यूड जैसे रासायनिक विवरण वाला टीएमटी जिसके एक्सलेरेटर टीएमटीडी थिरम सी आदि अन्य व्यापार/ब्रांड नाम हैं ।
- vi. रासायनिक विवरण एन-(1,3- डाइमिथाइल ब्यूटाइल), एन" फेनाइल-पी-1 वाला पीएक्स-13 (6पीपीडी) जिसके 6सी, पिल्फिलैक्स 13, सिरानटॉक्स 4020 एंटीऑक्सीडेंट 4020, कुमहोनेक्स 13 बल्कानोक्स 4020 आदि अन्य व्यापार/ब्रांड नाम हैं ।

4. उपर्युक्त का वर्तमान अधिसूचना में भी संबद्ध वस्तु के रूप में उल्लेख किया गया है ।

5. ऊपर उल्लिखित संबद्ध रबड़ रसायनों का उपयोग प्राकृतिक रबड़ तथा सम्मिश्रणों के आधार पर सिंथेटिक रबड़ के प्रसंस्करण में किया जाता है । इन उत्पादों का 8-अंकीय स्तर पर भी कोई अनन्य वर्गीकरण नहीं है । इन उत्पादों का आयात सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 और 38 के अंतर्गत किया जाता है । सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है । चूंकि इन उत्पादों का कोई अनन्य वर्गीकरण नहीं है इसलिए आंकड़ा संग्रहणकर्ता एजेंसियों (आईबीआईएस) द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना पर वर्तमान जांच परिणामों में भरोसा किया गया है । इस सूचना का मिलान प्रतिवादी विदेशी उत्पादकों द्वारा प्रदत्त सूचना के साथ किया गया है ।

प्रयोक्ता उद्योग को मोटे तौर पर दो खण्डों- टायर और गैर-टायर में विभाजित किया जाता है । दोनों ही खण्डों में इसका उपयोग प्राकृतिक एवं सिंथेटिक रबड़ के विभिन्न प्रकारों के प्रसंस्करण हेतु किया जाता है । यह कहा जाता है कि ये किसी उद्योग के लिए कोई प्रमुख निविष्टि/कच्ची सामग्री नहीं है और ये केवल प्रसंस्करण रसायन हैं ।

ग. समान वस्तु

6. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से निर्यातित संबद्ध वस्तु में कोई खास अंतर नहीं है । घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित प्रत्येक संबद्ध रबड़ रसायन संबद्ध देशों से आयातित संबंधित रबड़ रसायनों से भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के टैरिफ

वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में तुलनीय हैं। दोनों ही तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और उनकी विशेषताएं अत्यंत मिलती-जुलती हैं। घरेलू उद्योग द्वारा यह दावा किया गया था कि उपभोक्ताओं द्वारा इन दोनों का उपयोग एक-दूसरे के स्थान पर किया जा रहा है। वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित प्रत्येक संबद्ध रसायन को पाटनरोधी नियमों के अर्थ के भीतर संबद्ध देश(शों) से आयातित संबंधित रबड़ रसायन के समान वस्तु माना जा रहा है।

घ. याचिकाकर्ता का आधार और जांच की शुरुआत

7. यह याचिका मै. नेशनल ऑर्गेनिक केमिकल इंडस्ट्रीज लि., मुम्बई द्वारा दायर की गई है। भारत में संबद्ध वस्तु के तीन अन्य उत्पादक अर्थात् मै. लेक्सस इंडिया प्रा. लि., थाणे; पीएमसी रबड़ केमिकल्स इंडिया प्रा. लि., हुगली; और मर्कम लि., एर्णाकुलम हैं। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि पाटन की मात्रा इतनी अधिक रही है जिससे कि कुछेक भारतीय उत्पादकों ने रबड़ रसायनों के विनिर्माण को काफी हद तक बंद कर दिया है और वे वस्तुतः रबड़ रसायन के आयातों का सहारा लेते हुए व्यापारी बन गए हैं जबकि अन्य ने उपान्तिम चरण, जब कुल उत्पादन कार्यकलापों के अनुसार आगे पर्याप्त प्रसंस्करण शामिल होता है, पर ही चीन से मध्यवर्ती उत्पादों का आयात शुरू कर दिया है। याचिकाकर्ता ने आगे दावा किया है कि भले ही अन्य भारतीय उत्पादकों के उत्पादन को शामिल किया जाए या उसे अलग रखा जाए, याचिकाकर्ता का उत्पादन प्रत्येक संबद्ध रसायन के भारतीय उत्पादन के 50% से अधिक बनता है।

8. प्रतिवादी निर्यातकों में से एक निर्यातक मै. शिन्ज केम ग्रुप ऑफ कंपनी ने अपने अनुरोध में यह दलील दी है कि नोसिल ने अन्य कंपनियों के लिए उत्पादन के अनुमानों के ब्यौरे जान-बूझकर उपलब्ध नहीं कराए हैं ताकि जो अन्य उत्पादक याचिका का विरोध कर रहे हैं, वे उत्पादन संबंधी दावों का खण्डन न कर सकें। आगे यह दलील दी गई है कि नोसेल ने पर्याप्त ब्यौरे उपलब्ध नहीं कराए हैं और वह कार्यवाही शुरू करने में निर्दिष्ट प्राधिकारी को गुमराह करने में सफल हुआ है।

9. उपर्युक्त अनुरोधों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रति अन्य सभी नामजद घरेलू उत्पादकों को भेजी गई थी ताकि वे अपनी विनिर्माण क्षमता, उत्पादन आदि सहित मामले के सभी पहलुओं पर याचिकाकर्ता के दावों का खण्डन कर सकें। स्वरूप केमिकल्स (प्रा.) लि. और पीएमसी ग्रुप इंटरनेशनल के अलावा याचिका में नामजद किसी अन्य घरेलू उत्पादक ने और जिन्हें सूचना भेजी गई थी, उन्होंने उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। यद्यपि स्वरूप केमिकल्स (प्रा.) लि. ने एमबीटी, सीबीएस, टीएमटी और टीडीक्यू के विनिर्माण हेतु 4250 मी. टन की वार्षिक क्षमता रखने का दावा करते हुए घरेलू उद्योग की याचिका का समर्थन किया है तथापि, पीएमसी ग्रुप ने अपने अनुरोधों में यह बताया है कि वे संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के प्रमुख आयातक हैं। सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद और रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना के आधार पर प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया है कि जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ता कंपनी का उत्पादन प्रत्येक संबद्ध रबड़ रसायन के भारतीय उत्पादन में एक बड़ा हिस्सा बनता है जैसा कि निम्नलिखित तालिका से देखा जा सकता है :-

क्र. सं.	रबड़ रसायन का प्रकार	नोसिल का उत्पादन	अन्य भारतीय उत्पादकों का उत्पादन (अनु.)	कुल भारतीय उत्पादन	भारतीय उत्पादन में नोसिल का हिस्सा
1	पीएक्स 13	***	***	***	69.30%
2	टीडीक्यू	***	***	***	77.78%
3	पीवीआई	***	***	***	83.01%
4	टीएमटी	***	***	***	63.59%
5	एमबीटी	***	***	***	79.07%
6	सीबीएस	***	***	***	72.19%

10. अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि याचिकाकर्ता नियमों के अंतर्गत आधार संबंधी शर्त को पूरा करता है और याचिकाकर्ता पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और नियम 5(3)(क) के अर्थ के भीतर “घरेलू उद्योग” है।

ड. अन्य अनुरोध तथा उठाए गए मुद्दे

11. एपीजे-एसएलजी लॉ ऑफिसेज ने टायर मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन की ओर से उत्तर प्रस्तुत किया है। अपने अनुरोधों में उन्होंने यह बताया है कि चूंकि इसमें अंतर्गत 6 अलग-अलग उत्पाद हैं, इसलिए प्राधिकारी को 6 अलग-अलग जांच शुरू करनी चाहिए थी ताकि पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध का विश्लेषण सार्थक ढंग से किया जा सके। उन्होंने उल्लेख किया है कि घरेलू उद्योग के बारे में स्पष्ट रूप से यह निर्धारित है कि घरेलू उद्योग का तात्पर्य समान वस्तु के विनिर्माण में संलग्न घरेलू उत्पादकों से है और इसलिए इस जांच को एक ही वस्तु तक सीमित रखा जाना चाहिए। यह भी उल्लेख किया गया है कि आधार के प्रयोजनार्थ याचिकाकर्ता ने अन्य घरेलू विनिर्माताओं के आंकड़ों पर विचार नहीं किया है।

12. आयातकों में से जे. के. इंडस्ट्रीज लि. ने आयातक प्रश्नावली के रूप में एक उत्तर दायर किया है और उपलब्ध कराए गए ब्यौरों और आंकड़ों पर इन प्रारंभिक जांच परिणामों के लिए विचार किया गया है।

च. पाटन मार्जिन का निर्धारण

च.1 चीन के उत्पादक/निर्यातक के बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दावों की जांच

13. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में डब्ल्यूटीओ के अन्य सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में चीन जन. गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला एक देश माना गया है। अतः पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8(2) के अनुसार चीन जन. गण. को उपर्युक्त नियमों के अनुसार निर्यातक देश अथवा अलग-अलग निर्यातकों द्वारा उपर्युक्त अनुमानों के खण्डन के अध्यक्षीन गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला एक देश माना गया है।

14. यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के पैराग्राफ 8, अनुबंध 1 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का उस स्थिति में खण्डन किया जा सकता है यदि चीन के निर्यातक पैराग्राफ 8 के उप पैरा (3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराते हैं और उसके विपरीत सिद्ध करते हैं। चीन जन. गण. के संबद्ध वस्तु के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार (एमईटी) विषयक प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदण्डों पर विचार कर सकें कि क्या :-

(क) कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन जन. गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निष्ठियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं;

(ख) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसम्पत्तियों के मूल्य ह्रास, अन्य बट्टे खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यक्षीन हैं;

(ग) इस प्रकार की फर्मों दिवालियापन और सम्पत्ति कानूनों के अधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं और

(घ) विनिमय दर का परिवर्तन ब्याज की दर पर किया जाता है।

15. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी द्वारा जारी जांच शुरुआत संबंधी सूचना और बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी अनुमान के खण्डन के बाद चीन के संबद्ध वस्तु के तीन उत्पादकों और निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर और बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं। प्रतिवादी उत्पादकों और निर्यातक के प्रश्नावली के उत्तरों और बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी उत्तरों की जांच चीन के संबद्ध वस्तु के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों के सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु निम्नानुसार की गई है :

क) मै. शेन्डांग शैक्सियन केमिकल कं. लि.

i. संबद्ध वस्तु के एक उत्पादक और निर्यातक के रूप में मै. शेन्डांग शैक्सियन केमिकल कं. लि. ने इस मामले में निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर और एमईटी उत्तर दायर किया है। बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति के दावे के संबंध में आवेदक से अतिरिक्त सूचना भी माँगी गई थी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. शेन्डांग शैक्सियन केमिकल कं. लि. रूपांतरण के अधीन एक कंपनी प्रतीत होती है क्योंकि यह फैक्टरी 1998-99 के दौरान ही अस्तित्व में थी।

ii. उत्पादक को रूपांतरण के आवश्यक ब्यौरे अर्थात् वर्ष 1998-99 के दौरान परिसंपत्तियों के हस्तांतरण और पूर्ववर्ती उद्यम की देयता, परिसंपत्तियों के मूल्यांकन हेतु अपनाई गई प्रक्रिया आदि का ब्यौरा प्रस्तुत करने की सलाह दी गई थी। उत्पादक ने दिसम्बर, 2007 के अपने पत्र द्वारा कुछ अतिरिक्त सूचना प्रस्तुत की थी।

iii. पूर्ववर्ती कंपनी की स्थिति और उसकी शेरधारिता, परिसंपत्तियों और देयता के मूल्यांकन, लागत एवं कीमतों पर उसके प्रभाव, कंपनी के व्यापारिक निर्णय तथा इसके सत्यापन की जांच लंबित रहने तक प्राधिकारी का यह मत है कि चीन के इस उत्पादक-निर्यातक को उसके सामान्य मूल्य के प्रारंभिक निर्धारण हेतु बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता है।

ख) मै. शेन्डांग यंगू हुताई केमिकल कं. लि.

i. मै. शेन्डांग यंगू हुताई केमिकल कं. लि. ने पीवीआई के एक उत्पादक-निर्यातक के रूप में निर्यातक प्रश्नावली तथा एमईटी उत्तर प्रस्तुत किया है। आवेदक से 10 दिसम्बर, 2007 के पत्र द्वारा एमईटी प्रश्नावली तथा निर्यातक उत्तर के बारे में अतिरिक्त सूचना भी माँगी गई थी। उत्पादक-निर्यातक ने दिसम्बर, 2007 के पत्र द्वारा अतिरिक्त सूचना प्रस्तुत की थी।

ii. एमईटी प्रश्नावली के उत्तर के अनुसार कंपनी ने यह सूचित किया कि उसकी स्थापना एक "सीमित देयता" वाली कंपनी के रूप में 23.3.2000 में की गई थी जबकि निर्यातक के अनुसार यह नोट किया गया था कि यह कंपनी 22 दिसम्बर, 1998 को स्थापित की गई थी। यह भी नोट किया गया था कि शेन्डांग यंगू हुताई केमिकल कं. फैक्टरी तथा शेन्डांग प्रांत के केमिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट के बीच प्रौद्योगिकी संविदा 30.6.1997 को निष्पादित की गई थी। कमी संबंधी पत्र के उत्तर में उत्पादक/निर्यातक ने सूचित किया है कि मै. यंगू हुताई केमिकल कं. लि. की स्थापना वर्ष 1994 में हुई थी और यह राज्य की स्वामित्व वाली फैक्टरी के रूप में पंजीकृत थी।

पूर्ववर्ती कंपनी की स्थिति, उसकी शेयरधारिता, परिसंपत्तियों और देयता के मूल्यांकन, लागत एवं कीमतों पर उसके प्रभाव, कंपनी के व्यापारिक निर्णय तथा इसके सत्यापन की जांच लंबित रहने तक प्राधिकारी का यह मत है कि चीन के इस उत्पादक-निर्यातक को उसके सामान्य मूल्य के प्रारंभिक निर्धारण हेतु बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता है।

ग. शिनर्जकेम (ग्रुप) कं., शंघाई, शिनर्जकेम कं., शेन्डांग और शिनर्जकेम कं., तैयान

i. उपर्युक्त हितबद्ध पार्टियों में से प्रत्येक पार्टी ने संबद्ध वस्तु के उत्पादक और/अथवा निर्यातक के रूप में निर्यातक उत्तर तथा एमईटी उत्तर प्रस्तुत किया है। चूंकि ये कम्पनियाँ एक-दूसरे से संबंधित हैं, इसलिए उन्होंने “ग्रुप व्यवहार” की माँग की है। बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के उनके दावे के संबंध में अतिरिक्त सूचना भी माँगी गई थी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि शेन्डांग शिनर्जकेम कं. लि. राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों के संपत्ति अधिकार संबंधी सुधार के दौरान अगस्त, 1998 में अस्तित्व में आई। व्यापार लाइसेंस के अनुसार कंपनी ने 14 मई, 1999 से प्रचालन शुरू किया। कंपनी की स्थापना संवर्धन के रूप में की गई थी और इसे हैज इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी; शेन्डांग, शेन्डांग कॉक्सियन शिनर्जकेम केमिकल फैक्टरी, कुकियन केमिक कंपनी, शेन्डांग, कॉक्सियन ही रबड़ एडीटिव एजेंट कंपनी; शेन्डांग तथा कॉक्सियन ही चेंज रबड़ एडीटिव एजेंट कंपनी; शेन्डांग द्वारा स्थापित किया गया था। रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना से यह नोट किया जाता है कि शेन्डांग हैज एरिया इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी तथा शेन्डांग काओ कंट्री शिनर्जकेम दोनों के 5 रसायन संयंत्र राज्य स्वामित्व वाले उद्यम थे जिनके अधिकांश शेयर इन राज्य स्वामित्व वाले उद्यमों के पास थे। स्थापना के बाद कंपनी के शेयरों को कई बार हस्तांतरित किया गया है। अक्टूबर, 2005 में शिनर्जकेम का मुख्यालय शंघाई में स्थापित किया गया था। फरवरी, 2006 में शिनर्जकेम ग्रुप शंघाई में स्थापित किया गया। 8 जून, 2006 को *** टन 4-एडीपीए के प्रथम चरण का प्रचालन शुरू हुआ और उत्पादन क्षमता *** टन प्रतिवर्ष पर पहुँच गई। प्राधिकारी नोट करते हैं कि 8 जून, 2006 को क्षमता विस्तार से पूर्व *** टन 4-एडीपीए प्रतिवर्ष की क्षमता विद्यमान थी। इसके अलावा, शिनर्जकेम ग्रुप कं. और शिनर्जकेम कं., शंघाई, दोनों के संस्था के अंतर्नियमों के अनुसार यह नोट किया जाता है कि ये दोनों कंपनियाँ सरकार और जनता के पर्यवेक्षण को स्वीकार करेंगी। पूर्ववर्ती कंपनी की स्थिति, परिसंपत्तियों और देयता के मूल्यांकन, लागत एवं कीमतों पर उसके प्रभाव, कंपनी के व्यापारिक निर्णय तथा इसके सत्यापन की जांच लंबित रहने तक प्राधिकारी का यह मत है कि चीन के इस उत्पादक-निर्यातक को उसके सामान्य मूल्य के प्रारंभिक निर्धारण हेतु बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता है।

घ.2 सामान्य मूल्य का निर्धारण

16. जैसा कि ऊपर रिकॉर्ड किया गया है चीन जन. गण. के प्रतिवादी निर्यातकों के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी निर्धारण का मुद्दा खास है जिसके लिए आगे और जांच तथा सत्यापन की जरूरत है। अतः उनके बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दावों और अलग-अलग व्यवहार संबंधी दावों के संबंध में प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ चीन जन. गण. के प्रतिवादी निर्यातकों और उत्पादकों द्वारा किए गए दावों की आगे जांच के लंबित रहने तक प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के आधार पर चीन में सामान्य मूल्य का अनंतिम आंकलन किया है।

17. इस संबंध में नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 में निम्नानुसार उपबंध है :

“ गैर- बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से होने वाले आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा परिकलित मूल्य अथवा किसी ऐसे देश से

भारत समेत अन्य देशों को किए गए निर्यात की कीमत के आधार पर किया जाएगा अथवा जहां यह संभव न हो वहाँ उचित लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित, यदि आवश्यक हो, समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में भुगतान की गयी अथवा भुगतान योग्य कीमत समेत किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा। एक उचित तरीके से एक उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश चुना जाएगा (संबंधित देश के विकास के स्तर और विचाराधीन उत्पाद को ध्यान में रखते हुए) और चुनाव के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना को ध्यान में रखा जाएगा। किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश के संबंध में ऐसे ही मामलों में यदि कोई जांच की जाती है, तो जहाँ उपयुक्त हो, समय-सीमा के भीतर इस पर भी ध्यान दिया जाएगा। जांच में शामिल पक्षकारों को बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश के उपर्युक्त चुनाव के बारे में अनुचित विलम्ब के बिना सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियाँ देने के लिए उचित समयावधि प्रदान की जाएगी।”

18. प्राधिकारी ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना में यह उल्लेख किया है कि याचिकाकर्ताओं ने चीन के बारे में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था का दावा किया है। अतः याचिकाकर्ताओं ने उत्पादन की परिकलित लागत तथा यूरोप में कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण का दावा किया है। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण तीसरे देशों में कीमत या लागत के आधार पर इस वजह से नहीं किया जा सकता क्योंकि संबद्ध वस्तु का उत्पादन कई देशों में नहीं किया जाता है और इस संबंध में सार्वजनिक रूप से कोई सूचना उपलब्ध नहीं है। अतः घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि भारत को इस मामले में चीन के लिए एक उचित प्रतिनिधि देश माना जाना चाहिए और सामान्य मूल्य का तदनुसार निर्धारण किया जाना चाहिए।

19. मुद्दों की आगे जांच लंबित रहने तक प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के दूसरे परंतुक के अनुसार अन्य यथेचित आधार पर चीन में सामान्य मूल्य के अनंतिम निर्धारण की कार्यवाही करते हैं। तदनुसार चीन के सभी निर्यातकों के लिए विचाराधीन उत्पाद के कारखानागत सामान्य मूल्य का अनंतिम परिकलन उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है। सामान्य मूल्य का परिकलन सभी प्रमुख निविष्टियों की अंतर्राष्ट्रीय कीमत जहाँ तक ऐसी कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमत उपलब्ध है, को ध्यान में रखते हुए किया गया है। सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु घरेलू उद्योग के खपत मानकों, परिवर्तन लागत तथा एसजीए व्यय को अपनाया गया है। 5% का उचित लाभ मार्जिन जोड़ने के बाद परिकलित सामान्य मूल्य निम्नानुसार बनता है :

क्र. सं.	विचाराधीन उत्पाद	सीएनवी अम. डा./कि.ग्रा.
1	पीएक्स 13 (6पीपीडी)	***
2	टीडीक्यू	***
3	पीवीआई	***
4	टीएमटी	***
5	एमबीटी	***
6	सीबीएस	***

च.3 निर्यात कीमत

क. शेन्डांग शैक्सियन केमिकल कं. लि.

20. शेन्डांग शैक्सियन ने जांच अवधि के दौरान कुछेक खड़ रसायनों अर्थात् एमबीटी, सीबीएस, पीवीआई और टीएमटी का भारत को निर्यात करने की सूचना दी है। वस्तु की बिक्री भारत में ग्राहकों को सीधे की गई है। भारतीय ग्राहकों को बिक्री सीआईएफ के अनुसार की गई है। निर्यातक ने भारत के लिए अंतर्देशी भाड़े, वायु भाड़े और बीमा, ऋण व्यय के लिए समायोजनों का दावा किया है ताकि

कारखाना निर्यात कीमत निकाली जा सके। तथापि, यह देखा गया है कि संदत्त वैट और प्राप्त वापसी के लिए कोई समायोजन नहीं किया गया है यद्यपि निर्यातक के लिए बीजक मूल्य के 17% की दर से वैट का भुगतान करना अपेक्षित है और वह निर्यात पर संदत्त वैट के एक भाग की वापसी का पात्र है। वैट समायोजनों सहित किए गए दावों का स्पष्टीकरण और सत्यापन लंबित रहने तक प्राधिकारी ने उपर्युक्त निर्यातक की निर्यात कीमत का निम्नानुसार निर्धारण किया है :

	मात्रा (मी. टन)	औसत निवल बीजक मूल्य (अम. डा./मी. टन)	दावा किए गए समायोजन	वैट समायोजन	निवल निर्यात कीमत रु./मी.टन
एमबीटी	***	***	***	***	***
सीबीएस	***	***	***	***	***
पीवीआई	***	***	***	***	***
टीएमटी	***	***	***	***	***

ख. मै. शेन्डांग यंगू हुताई केमिकल कं. लि.

21. इस निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान भारत को *** मी. टन खड़ रसायन- पीवीआई का निर्यात किया है। निर्यातक ने भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात सीआईएफ के अनुसार किया है। उत्पादक- निर्यातक ने अंतर्देशी भाड़े, वायु भाड़े, बीमा तथा ऋण व्यय के लिए समायोजनों का दावा किया है ताकि कारखाना निर्यात कीमत निकाली जा सके। तथापि, यह देखा गया है कि संदत्त वैट और प्राप्त वापसी के लिए कोई समायोजन नहीं किया गया है यद्यपि निर्यातक के लिए बीजक मूल्य के 17% की दर से वैट का भुगतान करना अपेक्षित है और वह निर्यात पर संदत्त वैट के एक भाग की वापसी का पात्र है। तदनुसार, आंकड़ों की आगे जांच और सत्यापन लंबित रहने तक निवल कारखाना निर्यात कीमत निम्नानुसार बनती है :

उत्पादक/निर्यातक	मात्रा मी. टन में	निवल बीजक मूल्य अम. डा./मी. टन	दावा किए गए कुल समायोजन अम. डा./मी. टन	वैट समायोजन अम. डा./मी. टन	निवल निर्यात कीमत अम. डा./मी.टन
शेन्डांग यंगू हुताई	***	***	***	***	***

ग. मै. शिनर्जकेम कं., शेन्डांग

22. इस निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान भारत को *** मी. टन खड़ रसायन अर्थात् 6पीपीडी का निर्यात किया है। भारतीय ग्राहकों को बिक्री सीआईएफ रूप में की गई है। निर्यातक ने समुद्री भाड़े तथा बीमा, ऋण व्यय, पैकिंग लागत तथा बैंक प्रभारों के लिए समायोजनों का दावा किया है ताकि कारखाना निर्यात कीमत निकाली जा सके। तथापि, यह देखा गया है कि संदत्त वैट और प्राप्त वापसी के लिए कोई समायोजन नहीं किया गया है यद्यपि निर्यातक के लिए बीजक मूल्य के 17% की दर से वैट का भुगतान करना अपेक्षित है और वह निर्यात पर संदत्त वैट के एक भाग की वापसी का पात्र है। तदनुसार, एफओबी कीमत पर 4% के वैट अंतर को बीजक कीमत में से समायोजित किया गया है ताकि कारखाना स्तर पर निवल निर्यात कीमत निकाली जा सके। तदनुसार, किए गए दावों का आगे स्पष्टीकरण और सत्यापन लंबित रहने तक प्राधिकारी ने उपर्युक्त निर्यातक की निवल निर्यात कीमत का निर्धारण निम्नानुसार किया है :

उत्पादक/निर्यातक	मात्रा मी. टन में	निवल बीजक मूल्य अम. डा./मी. टन	दावा किए गए समायोजन अम. डा.	वैट समायोजन अम. डा./ मी. टन	निवल निर्यात कीमत अम. डा./ मी. टन
शिनर्जकेम 'क', शेन्डांग	***	***	***	***	***

चीन के असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

23. चीन के असहयोगी निर्यातकों के संबंध में आईबीआईएस आंकड़ा स्रोत के आधार पर न्यूनतम आयात कीमत पर विचार किया गया है। कारखाना स्तर पर निर्यात कीमत निकालने के लिए चीन के सहयोगी निर्यातकों के संबंध में उपर्युक्तानुसार प्रदत्त अनुमति के अनुरूप समुद्री भाड़े आदि जैसे समायोजनों की अनुमति दी गई है। इस पद्धति को अपनाते हुए चीन के असहयोगी निर्यातकों के संबंध में कारखाना निर्यात कीमत निम्नानुसार बनती है :-

क्र. सं.	उत्पाद विवरण	निवल निर्यात कीमत अम. डा./मी. टन
1	एमबीटी	***
2	टीडीक्यू	***
3	टीएमटी	***
4	पीएक्स 13 (6पीपीडी)	***
5	सीबीएस	***
6	पीवीआई	***

च.4 कोरिया कुमहो, कोरिया गणराज्य के संबंध में सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

क. सामान्य मूल्य

24. प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक ने सूचित किया है कि उसने *** अम. डा./कि.ग्रा. की औसत कारखाना निर्यात कीमत पर भारत को *** मी. टन 6-पीपीडी/पीएक्स-13 का निर्यात किया है। जहाँ तक सामान्य मूल्य का संबंध है, उत्पादक ने अनुरोध किया है कि *** मी. टन 6पीपीडी की बिक्री पर इकाई प्राप्ति *** अम. डा./कि.ग्रा. थी। तदनुसार, उत्पादक-निर्यातक ने दावा किया है कि उसने भारत में 6पीपीडी का पाटन नहीं किया है।

25. उपर्युक्त के विपरीत घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि कोरिया में सामान्य मूल्य काफी अधिक है। घरेलू उद्योग ने यह प्रदर्शित करते हुए साक्ष्य प्रस्तुत किया है कि कोरिया कुमहो द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की कोरियाई घरेलू बाजार में बिक्री *** वॉन से लेकर *** वॉन प्रति मी. टन के बीच की कीमत पर की गई है। घरेलू उद्योग ने आगे दावा किया है कि कोरिया में सामान्य मूल्य का निर्धारण विभिन्न स्रोतों से आयात की मात्रा तथा घरेलू उद्योग द्वारा की गई बिक्री पर विचार करते हुए भारत औसत कीमत के रूप में की जानी चाहिए। केआईटीए द्वारा अपनी वेबसाइट पर जारी की गई सूचना के आधार पर घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि कोरिया में *** अम. डा./कि.ग्रा. की सीआईएफ कीमत पर *** मी. टन 6पीपीडी का आयात किया गया है। 6.5% के सीमाशुल्क पर विचार करते हुए कोरियाई ग्राहक के लिए कीमत *** अम. डा./कि.ग्रा. बनती है। घरेलू उद्योग के अनुसार कोरियाई घरेलू माँग 7,000-8,000 मी. टन के आसपास है और इस प्रकार आयात का काफी बड़ा हिस्सा बनता है (घरेलू माँग का

50% से अधिक)। घरेलू उद्योग ने केआईटीए द्वारा सूचित भारत से आयात कीमत और कोरिया को हुए निर्यातों के संबंध में घरेलू उद्योग के बिक्री बीजक के आधार पर इस कीमत के दावे का समर्थन किया है। घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि कोरियाई उत्पादक के लिए घरेलू बिक्री कीमत आयातित सामग्री की पहुँच लागत से भिन्न नहीं हो सकती जो माँग के 50% से अधिक है। यद्यपि कीमतों में अंतर है तो भी उसे उचित सीमा के भीतर होना चाहिए और यह अंतर घरेलू उद्योग द्वारा प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए आंकड़ों और कोरिया गणराज्य के प्रतिवादी निर्यातक द्वारा किए गए दावे में प्रदर्शित सीमा तक नहीं होना चाहिए। घरेलू उद्योग ने यह निष्कर्ष निकाला है कि यह भरोसेमंद नहीं है कि कोरियाई उत्पादक ने घरेलू बाजार में सामग्री की बिक्री कम कीमत पर की होगी।

26. घरेलू उद्योग ने यह भी तर्क दिया है कि नियमों के अंतर्गत सामान्य मूल्य का तात्पर्य ऐसी समान वस्तु की तुलनीय कीमत से है जो खपत के लिए है। “समान वस्तु”, “तुलनीय कीमत”, “खपत के लिए” शब्दों का स्पष्ट तात्पर्य यह है कि ऐसी कीमतें उन कीमतों तक सीमित नहीं थीं जिन कीमतों पर इन वस्तुओं की बिक्री संबंधित उत्पादक द्वारा की गई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय और तत्पश्चात् निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया पर भरोसा करते हुए घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि, हर हालत में यह न्यायोचित है कि कोरिया कुम्हो द्वारा बिक्री के लिए आयातित मात्रा और बेची गई मात्रा पर विचार करते हुए घरेलू बाजार में बेची गई वस्तु की कीमत के भारत औसत पर विचार किया जाए जिसमें

27. कोरिया कुम्हो द्वारा प्रदत्त सूचना, जे. के. इंडस्ट्रीज लि. द्वारा प्रस्तुत आयात संबंधी आंकड़ों तथा घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोधों पर विचार करते हुए कोरिया गणराज्य में आयात की भारत औसत मात्रा तथा कोरिया के घरेलू बाजार में कोरिया कुम्हो की बिक्री मात्रा के आधार पर प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ सामान्य मूल्य का निर्धारण करना उचित होगा। तदनुसार, आगे की जांच और सत्यापन के लंबित रहने तक पीएक्स- 13 (6 पीपीडी) के सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है। तदनुसार, सामान्य मूल्य निम्नानुसार बनता है :-

क्र. सं.	मात्रा/मी. टन	इकाई दर/अम. डा./मी. टन
कोरिया कुम्हो	***	***
आयात	***	***
	***	*** या *** अम. डा./कि.ग्रा.

ख. निर्यात कीमत

28. प्राधिकारी के पास उनके द्वारा प्रस्तुत उत्तर के अनुसार प्रतिवादी उत्पादक ने *** अम. डा./कि.ग्रा. की कारखाना निर्यात कीमत सूचित की है।

ग. कोरिया के असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

29. कोरिया के असहयोगी निर्यातकों के संबंध में आईबीआईएस आंकड़ा स्रोत के आधार पर न्यूनतम निर्यात कीमत पर विचार किया गया है। कारखाना स्तर पर निर्यात कीमत निकालने के लिए कोरिया के सहयोगी निर्यातकों के संबंध में उपर्युक्तानुसार दी गई अनुमति के समतुल्य समुद्री भाड़े आदि जैसे समायोजनों की अनुमति दी गई है। इस पद्धति को अपनाकर कोरिया के असहयोगी निर्यातकों के संबंध में कारखाना स्तर पर निर्यात कीमत निम्नानुसार बनती है :-

क्र. सं.	उत्पाद विवरण	निवल निर्यात कीमत अम. डा./मी. टन
1	पीएक्स13 (6पीपीडी)	***

घ. कोरिया गणराज्य के सहयोगी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन

30. सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत की उपर्युक्त गणनाओं के आधार पर पाटन मार्जिन निम्नलिखित तालिका के अनुसार 6.54% बनता है :

	अम. डा./कि.ग्रा.
सामान्य मूल्य	***
निर्यात कीमत	***
पाटन मार्जिन	***
पाटन मार्जिन%	6.54%

ड. कोरिया गणराज्य के असहयोगी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन

31. सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत की उपर्युक्त गणनाओं के आधार पर कोरिया गणराज्य के असहयोगी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन निम्नलिखित तालिका के अनुसार 19.31% बनता है :

सामान्य मूल्य अम. डा./कि.ग्रा.	निर्यात कीमत अम. डा./कि.ग्रा.	पाटन मार्जिन अम. डा./कि.ग्रा.	पाटन मार्जिन %
***	***	***	19.31

च.5 चीन जन. गण. के उत्पादकों-निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन

32. पाटन मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ इस प्रकार अनंतिम रूप से निर्धारित कारखाना सामान्य मूल्य तथा निर्यातित कीमत की तुलना व्यापार के समान स्तर पर की गई है और पाटन मार्जिन का निर्धारण संबद्ध देश के निर्यातकों के लिए अनंतिम रूप से किया गया है।

क. सहयोगी निर्यातक

उत्पाद	उत्पादक	निर्यातक	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन %
			अम. डा./कि.ग्रा.	अम. डा./कि.ग्रा.	अम. डा./कि.ग्रा.	
पीवीआई	शेन्डांग शैक्सियन केमिकल कं. लि.	शेन्डांग शैक्सियन केमिकल कं. लि.	***	***	***	7.09
	शेन्डांग यंगू हुताई केमिकल कं. लि.	शेन्डांग यंगू हुताई केमिकल कं. लि.	***	***	***	14.02
टीएमटी	शेन्डांग शैक्सियन केमिकल	शेन्डांग शैक्सियन केमिकल	***	***	***	70.00

	कं. लि.	कं. लि.				
सीबीएस	शेन्डांग शैक्सियन केमिकल कं. लि.	शेन्डांग शैक्सियन केमिकल कं. लि.	***	***	***	32.24
एमबीटी	शेन्डांग शैक्सियन केमिकल कं. लि.	शेन्डांग शैक्सियन केमिकल कं. लि.	***	***	***	35.43
पीएक्स- 13 (6पीपीडी)	शिनर्जकेम कं., शेन्डांग	शिनर्जकेम कं., शेन्डांग	***	***	***	36.68

ख. असहयोगी निर्यातक

क्र. सं.	उत्पाद विवरण	सामान्य मूल्य अम. डा./ कि.ग्रा.	निर्यात कीमत अम.डा./कि.ग्रा.	पाटन मार्जिन अम.डा./कि.ग्रा.	पाटन मार्जिन %
1.	पीवीआई	***	***	***	17.95
2.	टीएमटी	***	***	***	90.49
3.	सीबीएस	***	***	***	51.02
4.	एमबीटी	***	***	***	52.84
5.	पीएक्स-13 (6पीपीडी)	***	***	***	58.72
6.	टीडीक्यू	***	***	***	48.17

33. इस प्रकार अनंतिम रूप से निर्धारित पाटन मार्जिन काफी अधिक और न्यूनतम सीमा से भी ज्यादा है।

घ. क्षति निर्धारण

घ.1 क्षति एवं कारणात्मक संबंध की जांच

34. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II के साथ पठित नियम 11 में यह उपबंध है कि किसी क्षति निर्धारण में “ पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव

तथा ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों को ध्यान में रखते हुए” घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दर्शाने वाले कारकों की जांच शामिल होगी। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह आवश्यक है कि इस बात की जांच की जाए कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में पर्याप्त मात्रा में कमी आई है अथवा उसकी वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा पर्याप्त मात्रा तक बढ़ गई होती।

35. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए आवेदन मै. नोसिल द्वारा दायर किया गया है जिसका भारत में संबद्ध वस्तु के कुल उत्पादन में एक बड़ा हिस्सा है। नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार उपर्युक्त उत्पादकों को इस जांच के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग माना गया है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि भारत में संबद्ध वस्तु के तीन अन्य ज्ञात उत्पादक अर्थात् मै. लेंगसेस इंडिया प्रा. लि., पीएमसी रबड़ केमिकल्स इंडिया प्रा. लि. और मै. मर्कम लि. हैं। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि इनमें से कुछ भारतीय उत्पादकों ने रबड़ रसायनों का विनिर्माण काफी हद तक छोड़ दिया है और वे रबड़ रसायनों के आयात का सहारा लेते हुए व्यापारी बन गए हैं जबकि अन्य ने निरन्तर चरण, जब कुल उत्पादन कार्यक्रमों के अनुसार आगे पर्याप्त प्रसंस्करण शामिल होता है, पर ही चीन से मध्यवर्ती उत्पादों का आयात शुरू कर दिया है। याचिकाकर्ता ने आगे दावा किया है कि भले ही अन्य भारतीय उत्पादकों के उत्पादन को शामिल किया जाए या उसे अलग रखा जाए, याचिकाकर्ता का उत्पादन प्रत्येक संबद्ध रसायन के भारतीय उत्पादन के 50% से अधिक बनता है।

36. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए उद्योग की स्थिति पर उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा एवं मार्जिन आदि जैसे प्रभाव डालने वाले संकेतकों पर नियमावली के अनुबंध II के अनुसार विचार करना अपेक्षित होता है। घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले ऊपर उल्लिखित उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा आदि जैसे सभी आर्थिक मापदंडों की भी जांच अपेक्षित होती है।

उ.2 घरेलू उद्योग के विचार

37. घरेलू उद्योग के विचार निम्नानुसार हैं :

- क. घरेलू उद्योग को संबद्ध प्रत्येक रबड़ रसायन के संबंध में वास्तविक क्षति हुई है।
- ख. प्रत्येक संबद्ध रबड़ रसायन के आयात में वृद्धि हुई है।
- ग. उत्पादन, बिक्री, क्षमता उपयोग, उत्पादकता एवं बाजार हिस्से के मुद्दे पर उन्होंने निम्नानुसार अनुरोध किया है :

- i. टीबीक्यू, पीएक्स13, एमबीटी, प्रीवीआई- वर्ष 2005-06 तक उत्पादन, बिक्री, क्षमता उपयोग तथा उत्पादकता में सुधार हुआ। तथापि, जांच अवधि में इनमें वास्तविक गिरावट आई।

- ii. सीबीएस- समूची क्षति अवधि के दौरान उत्पादन और बिक्री मात्रा में वृद्धि हुई किन्तु क्षमता उपयोग में गिरावट आई ।
- iii. टीएमटी- वर्ष 2005-06 तक उत्पादन और क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई किन्तु उसके बाद गिरावट आई । तथापि, समूची क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में वृद्धि हुई ।
- iv. पाटन से पर्याप्त क्षमता अप्रयुक्त रही ।
- v. प्रत्येक खड़ रसायन के संबंध में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में जांच अवधि के दौरान पर्याप्त गिरावट आई जबकि आयातों के हिस्से में वृद्धि हुई है ।

घ. कीमत, कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री को प्रभावित करने वाले कारकों के संबंध में निम्नलिखित दलीलें दी गई हैं :-

- i. इन कारकों से कीमतों में तदनुरूपी वृद्धि करने से वंचित किया गया है ।
- ii. आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त कटौती हो रही है ।
- iii. कीमत में पर्याप्त कटौती से घरेलू उद्योग कीमत को कम करने और छूट को बढ़ाने के लिए बाध्य हुआ है जिसमें क्षति अवधि के दौरान सतत वृद्धि हुई है ।
- iv. किए गए दावे के अनुसार याचिकाकर्ता द्वारा उत्पाद की पर्याप्त कम कीमत पर बिक्री की जा रही है ।
- v. आयातों से निविष्टि लागत में वृद्धि के परिणामस्वरूप और उसके अनुपात में वृद्धि नहीं हो रही है ।

ड. लाभ/हानि, निवेश पर आय और नकदी प्रवाह के संबंध में पाटन का परिणाम निम्नानुसार रहा है :

- i. संबद्ध प्रत्येक खड़ रसायन के बारे में पूर्व में पाटन करने वाले स्रोतों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से लाभ, निवेश पर आय और नकदी प्रवाह में वर्ष 2005-06 तक पर्याप्त सुधार हुआ ।
- ii. तथापि, ऐसे देशों द्वारा नए सिरे से पाटन किए जाने के कारण लाभ, निवेश पर आय तथा नकद लाभ में जांच अवधि में एक बार फिर पर्याप्त गिरावट आई ।

च. माल सूचियाँ - क्षति अवधि के दौरान माल सूची के स्तर में पर्याप्त वृद्धि हुई है ।

छ. कार्यशील पूंजी- पाटन से कार्यशील पूंजी में वृद्धि हुई है ।

ज. अंशदान मार्जिन- अंशदान के मार्जिन में वर्ष 2005-06 तक सुधार हुआ लेकिन जांच अवधि में इसमें तेजी से गिरावट आई है ।

झ. कर्जदार- क्षति अवधि के दौरान औसत वसूली अवधि में पर्याप्त वृद्धि हुई ।

रोजगार एवं मजदूरी- क्षति अवधि के दौरान रोजगार की संख्या एवं संदत्त मजदूरी में गिरावट आई है ।

ट. पूंजी निवेश छुटाने की क्षमता- कम्पनी ने इस बात पर विचार करते हुए नए निवेश किए हैं कि सब रसायनों की मांग में पर्याप्त वृद्धि हो रही है।

ठ. वृद्धि- वर्ष 2005-06 तक प्रत्येक संबद्ध सब रसायन के बारे में घरेलू उद्योग की वृद्धि सकारात्मक रही थी। तथापि, जांच अवधि के दौरान प्रत्येक संबद्ध सब रसायन के बारे में यह वृद्धि नकारात्मक बन गई। नकारात्मक वृद्धि अधिकतर मापदण्डों के संबंध में देखी जा सकती है। तथापि, यह वृद्धि तिमाही-दर-तिमाही आधार पर उत्तरोत्तर नकारात्मक बन गई।

ड. घरेलू उद्योग को जांच अवधि में वास्तविक क्षति हुई है। इस विकृति में उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, लाभ/हानि, नकदी प्रवाह तथा निवेश पर आय के संबंध में तिमाही-दर-तिमाही आधार पर और इजाफा देखा जा सकता है।

छ.3 निर्वासाकों के विचार

38. शिन्जोकैम कं. समूह ने अनुरोध किया है कि याचिकाकर्ता ने गुमराह करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति के मुद्दे पर अधूरी सूचना प्रस्तुत की है। यह दावा किया गया है कि विश्लेषित क्षति संबंधी 12 मापदण्डों में से केवल 4 से क्षति का पता चलता है जबकि लाभप्रदता सहित सभी अन्य मापदण्डों से बढ़ती हुई प्रवृत्ति का पता चलता है। आगे यह अनुरोध किया गया है कि नोसिल ने उन मापदण्डों की जान-बूझकर तुलना की है जिसमें तुरंत पिछले वर्ष और न कि आधार वर्ष के संबंध में क्षति का पता चल सका है। उन्होंने मांग की है कि प्राधिकारी को आधार वर्ष के साथ जांच अवधि के दौरान निष्पादन की तुलना करते हुए क्षति का विश्लेषण करना चाहिए। यह दलील दी गई है कि याचिकाकर्ता का यह दावा कि उन्होंने पहुँच कीमत में कमी के अनुरूप कीमतों में कमी की है, गलत है और भ्रामक है तथा इसके विपरीत नोसिल ने क्षति अवधि के दौरान कीमत में वृद्धि से कहीं अधिक बढ़ोत्तरी की और वह आधारभूत क्षति अवधि की तुलना में जांच अवधि के दौरान अपने लाभ में वृद्धि करने में समर्थ हुआ है। उन्होंने यह दलील दी है कि घरेलू उद्योग का यह दावा कि कीमतों में उत्पादन लागत में वृद्धि के अनुरूप बढ़ोत्तरी नहीं हुई है, भ्रामक है क्योंकि एनएसआर में उत्पादन लागत में केवल 24% की वृद्धि की तुलना में 54% की बढ़ोत्तरी हुई है। यह भी उल्लेख किया गया है कि नोसिल का यह दावा कि पीवीआईटी आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान ऋणात्मक हो गया है, भ्रामक है क्योंकि यह ऐसी किसी स्थिति में आधारहीन है जब बिक्री कीमत में बढ़ोत्तरी उत्पादन लागत की तुलना में अधिक हुई हो। अपने अनुरोधों में यह निष्कर्ष निकाला गया है कि नोसिल गलत विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी को भ्रमित करने में सफल हुआ है।

छ.4 प्राधिकारी द्वारा जांच

39. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के क्षति संबंधी दावों के संबंध में हितबद्ध पार्टियों द्वारा व्यक्त विचारों को नोट किया है और इन जांच परिणामों में अनंतिम क्षति निर्धारण तथा कारणात्मक संबंध के विश्लेषण के प्रयोजनार्थ अनिवार्य कारकों की जांच की है।

छ.5 क्षति का संचयी निर्धारण

40. नियमावली के अनुबंध 2(iii) के अनुसार यदि एक से अधिक देशों से एक उत्पाद के आयातों की साथ-साथ पाटनरोधी जांच की जा रही हो तो प्राधिकारी के लिए ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन तब अपेक्षित होता है जब वह निर्धारित करे कि :

क. प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्टीकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त 2% से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयातों की 3% है; और

ख. आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के मद्देनजर आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है ।

41. इस मामले में 6पीपीडी के संबंध में जांच एक से अधिक देश के लिए की जा रही है । अतः प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण 6पीपीडी के संबंध में इन दोनों स्रोतों से की जानी चाहिए । प्राधिकारी ने यह पाया है कि प्रत्येक संबद्ध देश के बारे में पाटन मार्जिन 2% से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा भी 3% से अधिक है । निम्नलिखित के मद्देनजर इन दोनों देशों के संबंध में क्षति का संचयी निर्धारण उचित है-

- i. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का आयात उसी टैरिफ वर्गीकरण के अंतर्गत किया गया है;
- ii. प्राधिकारी ने यह पाया है कि आयातित संबद्ध वस्तु घरेलू रूप से उत्पादित 6पीपीडी का वाणिज्यिक स्थापनापन्न है;
- iii. प्राधिकारी को प्रस्तुत सूचना से यथोचित रूप से यह संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों से किए गए निर्यात उसी बाजार में प्रतिस्पर्धा करते हैं क्योंकि ये समान वस्तुएं हैं;
- iv. कोरिया और चीन से आयात उन्हीं श्रेणी के ग्राहकों द्वारा किए गए हैं जो घरेलू उद्योग से उस उत्पाद की खरीद कर रहे हैं ।

42. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू रूप से उत्पादित समान वस्तु के संबंध में 6पीपीडी के पाटित आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है ।

छ.6 पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

43. संबद्ध रबड़ रसायनों का निर्यात सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के सीमाशुल्क उपशीर्ष 38.12, 29.34 और 29.25 के अंतर्गत किया गया है । चूंकि सीमाशुल्क वर्गीकरण विचाराधीन उत्पाद के लिए समर्पित नहीं है और डीजीसीआई एण्ड एस द्वारा प्रकाशित संक्षिप्त आयात संबंधी सूचना में ऐसे उत्पादों का आयात शामिल है जो जांच के दायरे से बाहर हैं तथापि इस सूचना पर विचाराधीन उत्पाद के आयातों की मात्रा और मूल्य के निर्धारण हेतु भरोसा किया जा सकता है । चीन और कोरिया गणराज्य से प्रत्येक संबद्ध रबड़ रसायन के आयातों की मात्रा का निर्धारण आईबीआईएस द्वारा प्रदत्त आंकड़ों के आधार पर किया गया है । संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा अलग-अलग न्यूनतम सीमा से अधिक है ।

छ.6.1 आयात की मात्रा और संबद्ध देश का हिस्सा

44. प्रत्येक संबद्ध खड़ रसायन के आयात की मात्रा निम्नानुसार रही है :

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
पीएक्स 13					
चीन जन. गण.	मी. टन	23	182	443	1570
कोरिया गण.	मी. टन	51	699	1480	3392
संबद्ध देश	मी. टन	74	881	1923	4962
अन्य देश	मी. टन	3367	4775	2154	709
कुल आयात	मी. टन	3441	5656	4077	5671
एमबीटी					
चीन जन. गण.	मी. टन	118	280	447	619
अन्य देश	मी. टन	2	8	13	15
कुल आयात	मी. टन	120	288	460	634
सीबीएस					
चीन जन. गण.	मी. टन	285	672	623	570
अन्य देश	मी. टन	77	174	14	31
कुल आयात	मी. टन	362	846	637	601
पीवीआई					
चीन जन. गण.	मी. टन	129	191	210	361
अन्य देश	मी. टन	6	0	0	11
कुल आयात	मी. टन	135	191	210	372
टीडीक्यू					
चीन जन. गण.	मी. टन	23	734	851	1096
अन्य देश	मी. टन	531	664	640	253
कुल आयात	मी. टन	554	1398	1491	1349
टीएमटी					
चीन जन. गण.	मी. टन	37	100	235	188
अन्य देश	मी. टन	0	0	2	4
कुल आयात	मी. टन	37	100	237	191
आयातों में बाजार हिस्सा					
पीएक्स 13					
चीन जन. गण.	%	0.67	3.21	10.87	27.69
कोरिया गण.	%	1.48	12.36	36.30	59.81
संबद्ध देश	%	2.15	15.57	47.17	87.50
अन्य देश	%	97.85	84.43	52.83	12.50
एमबीटी					
चीन जन. गण.	%	98.33	97.22	97.17	97.64
अन्य देश	%	1.67	2.78	2.83	2.36
सीबीएस					
चीन जन. गण.	%	78.73	79.42	97.80	94.84
अन्य देश	%	21.27	20.58	2.20	5.16
पीवीआई					
चीन जन. गण.	%	95.56	100.00	100.00	97.01

अन्य देश	%	4.44	0.00	0.00	2.99
टीडीक्यू					
चीन जन. गण.	%	4.15	52.50	57.07	81.25
अन्य देश	%	95.85	47.50	42.93	18.75
टीएमटी					
चीन जन. गण.	%	100.00	100.00	99.16	98.17
अन्य देश	%	0.00	0.00	0.84	1.83

45. प्राधिकारी नोट करते हैं :

क. क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से प्रत्येक खड़ रसायन के आयात में वृद्धि और समग्र वृद्धि हुई है;

ख. क्षति अवधि के दौरान एमबीटी और टीएमटी को छोड़कर प्रत्येक संबद्ध खड़ रसायन के बारे में संबद्ध देशों के हिस्से में पर्याप्त वृद्धि हुई है;

ग. जो आयात पूर्व में अन्य देशों से किए जा रहे थे और जिन पर पहले से ही पाटनरोधी शुल्क लगाया जा रहा था वही आयात अब जांच अवधि के दौरान मुख्यतः चीन से किए जा रहे हैं। इस प्रकार की स्थिति से प्रथम दृष्ट्या यह पता चलता है कि संबद्ध देशों ने ऐसे अन्य देशों से पाटित कीमतों पर पूर्व में किए गए आयातों का स्थान ले लिया है।

घ. जहाँ तक अलग-अलग क्षमता का संबंध है, भारत में कुल आयातों की तुलना में संबद्ध देशों से हुए आयातों के बारे में किए गए विश्लेषण से यह पता चलता है कि :

i. **पीएक्स 13-** समूची क्षति अवधि से लेकर जांच अवधि तक आयातों की मात्रा में लगातार वृद्धि हुई है और संबद्ध देशों से आयातों के बाजार हिस्से में वर्ष 2003-04 में मामूली 2.15% से जांच अवधि में काफी अधिक 87.50% की वृद्धि हुई है।

ii. **एमबीटी-** यद्यपि चीन जन. गण. से आयातों में बाजार हिस्सा कमीबेश समान रहा है तथापि, अन्य स्रोतों से 13 मी. टन की वृद्धि की तुलना में इसमें 500 मी. टन की भारी वृद्धि हुई है।

iii. **सीबीएस-** संबद्ध देश से आयात की मात्रा में वर्ष 2005-06 तक भारी वृद्धि हुई है किन्तु जांच अवधि के दौरान इस मात्रा में मामूली गिरावट आई है। तथापि, यह गिरावट वर्ष 2003-04 में मात्रा की तुलना में वर्ष 2005-06 में हुई 19% की वृद्धि की तुलना में केवल 3% है।

iv. **पीवीआई-** यद्यपि आधार वर्ष 2003-04 की तुलना में जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से हुए आयातों में वृद्धि लगभग 300% हुई है तथापि, कुल आयातों में चीन का बाजार हिस्सा कमीबेश वही रहा है।

v. **टीडीक्यू-** चीन जन. गण. से हुए आयातों का बाजार हिस्सा आधार अवधि 2003-04 के दौरान केवल 4% की तुलना में जांच अवधि में बढ़कर 81% हो गया है।

vi. टीएनटी- यद्यपि संबद्ध देशों से हुए आयातों में कई गुना वृद्धि हुई है तथापि चीन जन. गण. से हुए आयातों का बाजार हिस्सा अपरिवर्तित रहा है।

छ.7 मॉन एवं बाजार हिस्सा

46. संबद्ध वस्तु की मॉन का निर्धारण घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री, अन्य भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री तथा सभी देशों से हुए आयातों को जोड़कर किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु की मॉन में आठवार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक वृद्धि हुई है।

47. भारत में मॉन/खपत में प्रत्येक संबद्ध खंड रसायनों के आयातों का हिस्सा निम्नानुसार रहा है-

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
पीएनबी 13					
घरेलू उद्योग	मी. टन	***	***	***	***
अन्य उत्पादक	मी. टन	***	***	***	***
कुल आयात	मी. टन	3441	5656	4077	5671
कुल मॉन	मी. टन	6999	8557	9581	9716
एनबीटी					
घरेलू उद्योग	मी. टन	***	***	***	***
अन्य उत्पादक	मी. टन	***	***	***	***
कुल आयात	मी. टन	120	288	460	634
कुल मॉन	मी. टन	949	1182	1090	1074
सीबीएस					
घरेलू उद्योग	मी. टन	***	***	***	***
अन्य उत्पादक	मी. टन	***	***	***	***
कुल आयात	मी. टन	362	846	637	601
कुल मॉन	मी. टन	1717	2098	2551	2653
पीबीआई					
घरेलू उद्योग	मी. टन	***	***	***	***
अन्य उत्पादक	मी. टन	***	***	***	***
कुल आयात	मी. टन	135	191	210	372
कुल मॉन	मी. टन	616	747	864	948
टीबीएन					
घरेलू उद्योग	मी. टन	***	***	***	***
अन्य उत्पादक	मी. टन	***	***	***	***
कुल आयात	मी. टन	554	1398	1491	1349
कुल मॉन	मी. टन	4767	5549	6004	6300
टीएनटी					
घरेलू उद्योग	मी. टन	***	***	***	***
अन्य उत्पादक	मी. टन	***	***	***	***
कुल आयात	मी. टन	37	100	237	191
कुल मॉन	मी. टन	1003	1189	1217	1390
सूचीबद्ध मॉन में बाजार हिस्सा					

पीएक्स13					
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
अन्य उत्पादक	%	***	***	***	***
चीन जन. गण.	%	***	***	***	***
कोरिया जन. गण.	%	***	***	***	***
संबद्ध देश	%	***	***	***	***
अन्य देशों से आयात	%	***	***	***	***
एमबीटी					
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
अन्य उत्पादक	%	***	***	***	***
चीन जन. गण.	%	***	***	***	***
संबद्ध देशों से आयात	%	***	***	***	***
सीबीएस					
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
अन्य उत्पादक	%	***	***	***	***
चीन जन. गण.	%	***	***	***	***
संबद्ध देशों से आयात	%	***	***	***	***
पीवीआई					
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
अन्य उत्पादक	%	***	***	***	***
चीन जन. गण.	%	***	***	***	***
संबद्ध देशों से आयात	%	***	***	***	***
टीडीक्यू					
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
अन्य उत्पादक	%	***	***	***	***
चीन जन. गण.	%	***	***	***	***
संबद्ध देशों से आयात	%	***	***	***	***
टीएमटी					
घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
अन्य उत्पादक	%	***	***	***	***
चीन जन. गण.	%	***	***	***	***
संबद्ध देशों से आयात	%	***	***	***	***

48. उपर्युक्त तालिका से प्राधिकारी निम्नानुसार नोट करते हैं :

(i) पीएक्स-13- उत्पाद की माँग 6998 मी. टन (2003-04) से पर्याप्ततः बढ़कर 9716 मी. टन (जांच अवधि) हो गई है। संबद्ध देशों से आयातों के संबंध में माँग का बाजार हिस्सा जो वर्ष 2003-04 के दौरान केवल 1.06% था, वह जांच अवधि में 51.07% के स्तर पर पहुँच गया जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग का हिस्सा जो वर्ष 2003-04 के दौरान ***% था, जांच अवधि में घटकर ***% हो गया। भारतीय उत्पादकों (घरेलू उद्योग सहित) का हिस्सा जो वर्ष 2003-04 में ***% था, जांच अवधि में घटकर ***% हो गया। अन्य देशों से आयातों का बाजार हिस्सा जो वर्ष 2003-04 के दौरान कुल माँग का 48.10% था, जांच अवधि में घटकर 7.30% हो गया।

(ii) **एमबीटी-** उत्पाद की माँग 949 मी. टन (2003-04) से बढ़कर जाँच अवधि में 1074 मी. टन हो गई। चीन से हुए आयातों का हिस्सा जो वर्ष 2003-04 के दौरान माँग का केवल 12.43% था, जाँच अवधि में बढ़कर 57.63% हो गया। हालांकि घरेलू उद्योग का हिस्सा लगभग समान स्तर पर रहा तथापि कुल भारतीय उत्पादकों का बाजार हिस्सा (घरेलू उद्योग सहित), जो वर्ष 2003-04 में कुल माँग का ***% था, जाँच अवधि में घटकर केवल ***% हो गया।

(iii) **सीबीएस-** उत्पाद की माँग वर्ष 2003-04 में 1717 मी. टन से पर्याप्ततः बढ़कर जाँच अवधि में 2653 मी. टन हो गई। घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा जो वर्ष 2003-04 में ***% था, जाँच अवधि में घटकर ***% हो गया। चीन से आयातों का हिस्सा वर्ष 2003-04 में 16.57% से बढ़कर जाँच अवधि में 21.49% हो गया।

(iv) **पीवीआई-** उत्पाद की माँग वर्ष 2003-04 में 616 मी. टन से पर्याप्ततः बढ़कर जाँच अवधि में 948 मी. टन हो गई। माँग में वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा जो वर्ष 2003-04 में ***% था, जाँच अवधि में घटकर ***% हो गया जबकि चीन से आयातों का हिस्सा 20.88% से बढ़कर इस अवधि में 38.05% हो गया। इसके अलावा, भारतीय उत्पादकों (घरेलू उद्योग सहित) का बाजार हिस्सा जो वर्ष 2003-04 में ***% था, जाँच अवधि में घटकर ***% हो गया।

(v) **टीडीक्यू-** उत्पाद की माँग वर्ष 2003-04 में 4766 मी. टन से बढ़कर जाँच अवधि के दौरान 6300 मी. टन हो गई। माँग में वृद्धि होने की स्थिति में घरेलू उद्योग अपना बाजार हिस्सा नहीं बनाए रख सका जो वर्ष 2003-04 में ***% से घटकर जाँच अवधि में ***% हो गया। भारतीय उत्पादकों (घरेलू उद्योग सहित) का बाजार हिस्सा वर्ष 2003-04 में ***% से तेजी से घटकर जाँच अवधि में ***% हो गया। इसी समय चीन से हुए आयात जो वर्ष 2003-04 माँग का केवल 0.47% थे, जाँच अवधि में तेजी से बढ़कर 17.39% हो गए।

(vi) **टीएमटी-** उत्पाद की माँग वर्ष 2003-04 में 1003 मी. टन से बढ़कर जाँच अवधि के दौरान 1390 मी. टन से हो गई किन्तु घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा 2003-04 में ***% से घटकर जाँच अवधि में ***% हो गया है। भारतीय उत्पादकों का बाजार हिस्सा (घरेलू उद्योग सहित) जो 2003-04 के दौरान ***% था, घटकर जाँच अवधि के दौरान ***% हो गया है। चीन से आयातों का हिस्सा जो 2003-04 में केवल 3.69% था, जाँच अवधि में उल्लेखनीय रूप से बढ़कर 13.50% हो गया।

छ.8 घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन और क्षमता उपयोग

पीएक्स 13	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जाँच अवधि
स्थापित क्षमता	मी. टन	***	***	***	***
उत्पादन	मी. टन	***	***	***	***
क्षमता उपयोग (%)	%	82	83	81	71
एमबीटी					
स्थापित क्षमता	मी. टन	***	***	***	***
उत्पादन	मी. टन	***	***	***	***
क्षमता उपयोग (%)	%	64	84	52	63
सीबीएस					
स्थापित क्षमता	मी. टन	***	***	***	***

उत्पादन	मी. टन	***	***	***	***
क्षमता उपयोग (%)	%	91	85	84	81
पीवीआई					
स्थापित क्षमता	मी. टन	***	***	***	***
उत्पादन	मी. टन	***	***	***	***
क्षमता उपयोग (%)	%	90	90	96	88
टीडीक्यू					
स्थापित क्षमता	मी. टन	***	***	***	***
उत्पादन	मी. टन	***	***	***	***
क्षमता उपयोग (%)	%	82	82	88	78
टीएमटी					
स्थापित क्षमता	मी. टन	***	***	***	***
उत्पादन	मी. टन	***	***	***	***
क्षमता उपयोग (%)	%	75	68	90	75

49. प्राधिकारी उपर्युक्त तालिका से निम्नलिखित को नोट करते हैं :-

i. **पीएक्स 13-** उत्पादन 2003-04 के दौरान *** मी. टन था जो 2004-05 के दौरान बढ़कर *** मी. टन हो गया तत्पश्चात् उत्पादन में गिरावट शुरू हुई और यह जांच अवधि के दौरान *** मी. टन के स्तर पर जा पहुँची । इसक परिणामस्वरूप क्षमता उपयोग जो पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान 81-83% था, घटकर जांच अवधि के दौरान 71% हो गया यद्यपि स्थापित क्षमता में वृद्धि ने इस मामूली गिरावट में लगभग 9% का योगदान भी किया है ।

ii. **एमबीटी-** 2003-04 के दौरान घरेलू उद्योग का उत्पादन *** मी. टन था जो संयंत्र की 84% क्षमता उपयोग से बढ़कर *** मी. टन हो गया तत्पश्चात् उत्पादन में 2005-06 के दौरान *** मी. टन के स्तर तक गिरावट आई । जांच अवधि के दौरान, उत्पादन *** मी. टन था और क्षमता उपयोग 2003-04 के दौरान 63% और 2004-05 के दौरान 84% की तुलना में 63% था । क्षमता उपयोग जो 2004-05 में 84% था, घटकर जांच अवधि के दौरान स्थापित क्षमता के स्थिर होने के बावजूद 63% हो गया ।

iii. **सीबीएस-** घरेलू उद्योग द्वारा बढ़ती हुई माँग को ध्यान में रखते हुए उत्पाद की क्षमता में वृद्धि की गई है । क्षमता उपयोग जो वर्ष 2003-04 में 91% था, जांच अवधि में घटकर 81% हो गया । तथापि, स्थापित क्षमता में पर्याप्त वृद्धि का भी इस गिरावट में योगदान रहा है ।

iv. **पीवीआई-** यद्यपि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में उत्पादन और क्षमता उपयोग दोनों में वृद्धि हुई है तथापि वर्ष 2005-06 की तुलना में इनमें गिरावट आई है ।

v. **टीडीक्यू-** घरेलू उद्योग ने भारत में उत्पाद की बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए इसकी क्षमता में वृद्धि की है । क्षमता उपयोग जो वर्ष 2003-04 और 2004-05 के दौरान 82% था वर्ष 2005-06 के दौरान बढ़कर 88% हो गया जिसकी तुलना में जांच अवधि के दौरान क्षमता उपयोग केवल 78% था । इस गिरावट का कारण स्थापित क्षमता में मामूली वृद्धि माना जा सकता है ।

vi. टीएमटी- वर्ष 2005-06 तक उत्पादन और क्षमता उपयोग दोनों में वृद्धि हो रही थी। वर्ष 2005-06 के दौरान क्षमता उपयोग 90% था जो जांच अवधि के दौरान तेजी से घटकर 75% हो गया।

छ.9 भारतीय उत्पादन के संबंध में पाटित आयात

विवरण	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
भारतीय उत्पादन के संबंध में पाटित आयात					
संबद्ध देशों से आयात					
एमबीटी	मी. टन	118	250	447	619
सीबीएस	मी. टन	285	672	623	570
पीवीआई	मी. टन	129	191	210	361
पीएक्स- 13	मी. टन	74	881	1,923	4,962
टीडीक्यू	मी. टन	23	734	851	1,906
टीएमटी	मी. टन	73	100	235	188
भारतीय उत्पादन					
एमबीटी	मी. टन	***	***	***	***
सीबीएस	मी. टन	***	***	***	***
पीवीआई	मी. टन	***	***	***	***
पीएक्स- 13	मी. टन	***	***	***	***
टीडीक्यू	मी. टन	***	***	***	***
टीएमटी	मी. टन	***	***	***	***
भारतीय उत्पादन में संबंध आयात का हिस्सा					
एमबीटी	%	***	***	***	***
सीबीएस	%	***	***	***	***
पीवीआई	%	***	***	***	***
पीएक्स- 13	%	***	***	***	***
टीडीक्यू	%	***	***	***	***
टीएमटी	%	***	***	***	***

50. प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारतीय उत्पादन के संबंध में संबद्ध देशों से आयातों में समूची क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। सीबीएस और टीएमटी को छोड़कर संबद्ध देशों से आयातों में पूर्ववर्ती वर्ष 2005-06 की तुलना में जांच अवधि के दौरान और अधिक वृद्धि हुई है।

छ.10. घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा- घरेलू बाजार

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
पीएक्स- 13	मी. टन	***	***	***	***
एमबीटी	मी. टन	***	***	***	***
सीबीएस	मी. टन	***	***	***	***
पीवीआई	मी. टन	***	***	***	***
टीडीक्यू	मी. टन	***	***	***	***
टीएमटी	मी. टन	***	***	***	***

51. प्राधिकारी उपर्युक्त तालिका से निम्नानुसार नोट करते हैं :

i. पीएक्स-13- आधार वर्ष और उसके बाद के पूर्ववर्ती वर्ष दोनों की तुलना में जाँच अवधि में बिक्री में पर्याप्त गिरावट आई है ।

ii. एमबीटी- घरेलू उद्योग की बिक्री में वर्ष 2004-05 में वृद्धि की प्रवृत्ति दिखाई दी है और उसके बाद उसमें गिरावट आई है ।

iii. सीबीएस- क्षति अवधि से लेकर जाँच अवधि तक के वर्षों के दौरान बिक्री में वृद्धि हुई है ।

iv. पीवीआई- बिक्री में इन वर्षों के दौरान वृद्धि हुई है और वर्ष 2005-06 तथा जाँच अवधि में यह कमोबेश स्थिर रही है । बिक्री की मात्रा को समूची जाँच अवधि के दौरान क्षति अवधि में कमोबेश स्थिर माना जा सकता है ।

v. टीडीक्यू- वर्ष 2003-04 के दौरान बिक्री *** मी. टन की हुई थी जिसमें वर्ष 2004-05 के दौरान मामूली गिरावट आई किन्तु वर्ष 2005-06 के दौरान बढ़कर *** मी. टन के स्तर पर पहुँच गई ! परन्तु जाँच अवधि में घटकर *** मी. टन हो गई ।

vi. टीएमटी- बिक्रियों में जाँच अवधि और क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है ।

ज.1 घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव तथा कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

52. नियम 18 के उप नियम (2) में किए गए उल्लेख के अनुसार कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के बारे में निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए यह अपेक्षित होता है कि वह इस बात की जाँच करे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमत में पर्याप्त स्तर तक अन्यथा गिरावट आई है अथवा उसमें होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती ।

53. संबद्ध देशों से घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जाँच कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है । इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ उत्पादन की भारित औसत लागत, निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) तथा घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत की तुलना संबद्ध देशों से आयातों की पहुँच लागत के साथ की गई है ।

54. घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति का आकलन करते समय घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित रिबेट, छूट और कमीशन तथा संदत्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को कम किया गया है ।

55. कीमत कटौती का निर्धारण समूची जाँच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटित आयातों के पहुँच मूल्य की तुलना उसी अवधि के लिए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति के साथ कर के की गई है । इस प्रयोजनार्थ आयातों के पहुँच मूल्य की गणना 1% उतराई प्रभार और संबद्ध देशों से आयात कीमतों के आईबीआईएस आंकड़ों में सूचित मूल्य के कारण लागू मूल सीमाशुल्क को जोड़कर की गई है ।

56. कम कीमत पर बिक्री के प्रयोजनार्थ संबद्ध देशों से आयातों के पहुँच मूल्य की तुलना जाँच अवधि के लिए घरेलू उद्योग की निर्धारित क्षति रहित कीमत के साथ की गई है।

ज.1.1 कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री का प्रभाव

		जाँच अवधि					
	इकाई	पीएक्स 13	एमबीटी	सीबीएस	पीवीआई	टीडीक्यू	टीएमटी
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***	***	***
पहुँच मूल्य							
चीन जन. गण.	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***	***	***
कोरिया गण.	रु./कि.ग्रा.	***					
कुल संबद्ध देश	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***	***	***
कीमत कटौती							
चीन जन. गण.	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***	***	***
कोरिया गण.	रु./कि.ग्रा.	***					
कुल संबद्ध देश	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***	***	***
कीमत कटौती (%)							
चीन जन. गण.	%	15%	18%	22%	7%	21%	22%
कोरिया गण.	%	7%					
कुल संबद्ध देश	%	10%	18%	22%	7%	21%	22%
क्षतिरहित कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री							
चीन जन. गण.	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***	***	***
कोरिया गण.	रु./कि.ग्रा.	***					
कुल संबद्ध देश	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री (%)							
चीन जन. गण.	%	23%	16%	18%	9%	18%	26%
कोरिया गण.	%	16%					
कुल संबद्ध देश	%	18%	16%	18%	9%	18%	26%

57. उपर्युक्त तालिका से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से अलग-अलग और संचयी रूप से (6पीपीडी के लिए) संबद्ध रबड़ रसायनों के पाटित आयातों के पहुँच मूल्य से घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त कटौती हो रही है। इसके अलावा, संबद्ध देशों से पहुँच मूल्य भी घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत से काफी कम है।

ज.1.2 पाटित आयातों का कीमत हासकारी और न्यूनकारी प्रभाव

58. बिक्री कीमत की तुलना में बिक्री लागत में उतार-चढ़ाव

पीएक्स13	इकई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
बिक्री की लागत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
बिक्री कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
लाभ/हानि	रु./कि.ग्रा.	(22.30)	(6.27)	36.06	10.33
एमबीटी					
बिक्री की लागत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
बिक्री कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
लाभ/हानि	रु./कि.ग्रा.	3.86	8.53	22.97	14.24
सीबीएस					
बिक्री की लागत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
बिक्री कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
लाभ/हानि	रु./कि.ग्रा.	26.19	30.27	49.09	22.86
पीवीआई					
बिक्री की लागत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
बिक्री कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
लाभ/हानि	रु./कि.ग्रा.	75.00	28.42	9.34	20.10
टीडीक्यू					
बिक्री की लागत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
बिक्री कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
लाभ/हानि	रु./कि.ग्रा.	(3.76)	15.52	42.06	15.47
टीएमटी					
बिक्री की लागत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
बिक्री कीमत	रु./कि.ग्रा.	***	***	***	***
लाभ/हानि	रु./कि.ग्रा.	6.75	11.28	17.87	4.61

59. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के कीमत हासकारी प्रभाव, निम्न बिक्री प्राप्ति की तुलना उत्पादन लागत के साथ की गई है।

60. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सीबीएस, पीवीआई तथा टीडीक्यू को छोड़कर जिनकी बिक्री लागत पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में कम हुई है, क्षति अवधि के दौरान बिक्री लागत में ऊर्ध्वगामी प्रवृत्ति दिखाई दी है। बिक्री लागत में वृद्धि मुख्यतः निविष्ट कीमत में बढ़ोत्तरी के कारण हुई है क्योंकि घरेलू उद्योग इन वर्षों में परिवर्तन लागत कम करने में सफल हुआ है।

61. पीएक्स-13 (6पीपीडी) की बिक्री कीमत में उतार-चढ़ाव से यह पता चलता है कि जांच अवधि बिक्री लागत में जहाँ वृद्धि हुई है वहीं इसके विपरीत बिक्री कीमत में लगभग 10% की गिरावट आई है। इसी प्रकार, एमबीटी के संबंध में जहाँ वर्ष 2005-06 की तुलना में जांच अवधि में बिक्री लागत में वृद्धि हुई है, वहीं बिक्री कीमत में लगभग 5% की गिरावट दर्ज की गई है। जहाँ तक सीबीएस का संबंध है, जहाँ बिक्री लागत में लगभग 2% की वृद्धि हुई है, वहीं वर्ष 2005-06 की तुलना में बिक्री कीमत में लगभग 14% की कमी आई है। जहाँ तक टीडीक्यू का संबंध है, वर्ष 2005-06 की तुलना में जांच अवधि में लगभग 6% की गिरावट आई है वहीं बिक्री कीमत में इस अवधि के दौरान लगभग 22% की

पर्याप्त गिरावट आई है। टीएमटी के मामले में, जहाँ वर्ष 2005-06 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान बिक्री कीमत में वृद्धि हुई है वहीं इसके विपरीत बिक्री कीमत में लगभग 11% की गिरावट आई है।

62. उपर्युक्त विश्लेषण से यह पता चलता है कि बिक्री प्राप्ति में गिरावट बिक्री लागत में आई गिरावट से काफी अधिक रही है। जहाँ तक पीएक्स-13 (6पीपीडी), एमबीटी तथा टीएमटी का संबंध है, जहाँ वर्ष 2005-06 की तुलना में जाँच अवधि के दौरान बिक्री लागत में वृद्धि हुई है, वहीं इसके विपरीत बिक्री लागत में पर्याप्त कमी आई है। अतः यह प्रतीत होता है कि पाटित आयातों के कीमत संबंधी प्रभाव से घरेलू उद्योग अपना बाजार हिस्सा बनाए रखने के लिए अपनी कीमत कम रखने के लिए बाध्य हुआ है।

छ.1.3 क्षति संबंधी अन्य मापदण्डों की जाँच

63. उपर्युक्त विश्लेषण से यह पता चलता है कि सीबीएस तथा टीएमटी को छोड़कर पाटित आयातों की मात्रा में समग्र रूप में और बाजार हिस्से, दोनों रूपों में हुई वृद्धि के संबंध में घरेलू उद्योग पर पाटित आयात का मात्रा एवं कीमत संबंधी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। प्रत्येक रबर रसायन अर्थात् संबद्ध वस्तु के संबंध में घरेलू उद्योग पर पाटित आयात का मात्रा एवं कीमत संबंधी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। प्रत्येक रबर रसायन अर्थात् संबद्ध वस्तु के संबंध में कीमत कटौती काफी अधिक रही है। बिक्री कीमत में उतार-चढ़ाव बिक्री लागत में तदनुसूची उतार-चढ़ाव के अनुरूप नहीं रहा है। जहाँ 6पीपीडी, एमबीटी तथा टीएमटी का संबंध है, जहाँ जाँच अवधि में बिक्री लागत में वृद्धि हुई है, वहीं वर्ष 2005-06 की तुलना में बिक्री कीमत में पर्याप्त गिरावट आई है। तथापि, सीबीएस एवं टीडीक्यू के मामले में घरेलू उद्योग की निचली बिक्री पाटित क्षति रहित कीमत से काफी अधिक रही है। संक्षेप में सीबीएस को छोड़कर घरेलू उद्योग को मात्रा संबंधी क्षति या कीमत संबंधी क्षति या दोनों हुई हैं।

छ.1.4. लाभ, निवेश पर आय और नकदी प्रवाह

पीएक्स 13	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जाँच अवधि
कर पूर्व लाभ	Rs/Lacs	***	***	***	***
पीबीआईटी	Rs/Lacs	***	***	***	***
पीबीआईटी-नकद लाभ	Rs/Lacs	***	***	***	***
एमबीटी		***	***	***	***
कर पूर्व लाभ	Rs/Lacs	***	***	***	***
पीबीआईटी	Rs/Lacs	***	***	***	***
पीबीआईटी-नकद लाभ	Rs/Lac	***	***	***	***
		***	***	***	***
सीबीएस		***	***	***	***
कर पूर्व लाभ	Rs/Lacs	***	***	***	***
पीबीआईटी	Rs/Lacs	***	***	***	***
पीबीआईटी-नकद लाभ	Rs/Lac	***	***	***	***
पीबीआई					
कर पूर्व लाभ	Rs/Lacs	***	***	***	***
पीबीआईटी	Rs/Lacs	***	***	***	***
पीबीआईटी-नकद लाभ	Rs/Lac	***	***	***	***
		***	***	***	***

टीडीक्यू		***	***	***	***
कर पूर्व लाभ	Rs/Lacs	***	***	***	***
पीबीआईटी	Rs/Lacs	***	***	***	***
पीबीआईटी-नकद लाभ	Rs/Lac	***	***	***	***
		***	***	***	***
टीएमटी		***	***	***	***
कर पूर्व लाभ	Rs/Lacs	***	***	***	***
पीबीआईटी	Rs/Lacs	***	***	***	***
पीबीआईटी-नकद लाभ	Rs/Lac	***	***	***	***

64. उपर्युक्त तालिका से यह पता चलता है कि पीवीआई को छोड़कर घरेलू उद्योग की लाभ प्रदता में वर्ष 2005-06 तक वृद्धि हो रही थी किन्तु जांच अवधि में उसमें तेजी से गिरावट आई । जहाँ तक पीवीआई का संबंध है, आधार वर्ष 2003-04 से ही लाभप्रदता में गिरावट आ रही थी और यह प्रवृत्ति जांच अवधि तक जारी रही ।

छ.1.5 निवेश पर आय और पूंजी जुटाने की क्षमता

पीएक्स 13	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
पीबीआईटी	Rs/Lacs	***	***	***	***
निवल स्थिर परिसम्पत्तियाँ	Rs/Lacs	***	***	***	***
कार्यशील पूंजी	Rs/Lacs	***	***	***	***
नियोजित पूंजी- एनएफए	Rs/Lacs	***	***	***	***
नियोजित पूंजी पर आय (एनएफए आधार पर)	%	***	***	***	***
एमबीटी					
पीबीआईटी	Rs/Lacs	***	***	***	***
निवल स्थिर परिसम्पत्तियाँ	Rs/Lacs	***	***	***	***
कार्यशील पूंजी	Rs/Lacs	***	***	***	***
नियोजित पूंजी- एनएफए	Rs/Lacs	***	***	***	***
नियोजित पूंजी पर आय (एनएफए आधार पर)	%	***	***	***	***
सीबीएस					
पीबीआईटी	Rs/Lacs	***	***	***	***
निवल स्थिर परिसम्पत्तियाँ	Rs/Lacs	***	***	***	***
कार्यशील पूंजी	Rs/Lacs	***	***	***	***
नियोजित पूंजी- एनएफए	Rs/Lacs	***	***	***	***
नियोजित पूंजी पर आय (एनएफए आधार पर)	%	***	***	***	***
पीवीआई					
पीबीआईटी	Rs/Lacs	***	***	***	***
निवल स्थिर परिसम्पत्तियाँ	Rs/Lacs	***	***	***	***
कार्यशील पूंजी	Rs/Lacs	***	***	***	***
नियोजित पूंजी- एनएफए	Rs/Lacs	***	***	***	***
नियोजित पूंजी पर आय (एनएफए आधार पर)	%	***	***	***	***

टीडीक्यू					
पीबीआईटी	Rs/Lacs	***	***	***	***
निवल स्थिर परिसम्पत्तियाँ	Rs/Lacs	***	***	***	***
कार्यशील पूंजी	Rs/Lacs	***	***	***	***
नियोजित पूंजी- एनएफए	Rs/Lacs	***	***	***	***
नियोजित पूंजी पर आय (एनएफए आधार पर)	%	***	***	***	***
टीएमटी					
पीबीआईटी	Rs/Lacs	***	***	***	***
निवल स्थिर परिसम्पत्तियाँ	Rs/Lacs	***	***	***	***
कार्यशील पूंजी	Rs/Lacs	***	***	***	***
नियोजित पूंजी- एनएफए	Rs/Lacs	***	***	***	***
नियोजित पूंजी पर आय (एनएफए आधार पर)	%	***	***	***	***

65. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पीबीआई को छोड़कर जांच अवधि में सभी उत्पादों के संबंध में निवेश पर आय में गिरावट आई है। पीबीआई के मामले में, वर्ष 2005-06 की तुलना में जांच अवधि के दौरान लगाई गई पूंजी पर आय में सुधार हुआ है किन्तु यह भी आधार वर्ष 2003-04 की तुलना में काफी कम रही है।

छ.2. लाभप्रदता

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जाँच अवधि
पीएक्स13	मी. टन	***	***	***	***
एमबीटी	मी. टन	***	***	***	***
सीबीएस	मी. टन	***	***	***	***
पीवीआई	मी. टन	***	***	***	***
टीडीक्यू	मी. टन	***	***	***	***
टीएमटी	मी. टन	***	***	***	***

66. प्रति कर्मचारी उत्पादन से संबंधित आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष और पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान सीबीएस तथा टीडीक्यू को छोड़कर लाभप्रदता में गिरावट आई है। जांच अवधि के दौरान उत्पादन लागत में गिरावट (एमबीटी तथा सीबीएस को छोड़कर) वर्ष 2005-06 की तुलना में उत्पादन में इस गिरावट का मुख्य कारण रही है। टीएमटी के संबंध में उत्पादकता का आकलन नहीं किया गया है क्योंकि घरेलू उद्योग इस उत्पाद का विनिर्माण बाहर से उजरती कार्य पर करता है।

छ.3 रोजगार एवं मजदूरी

	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जाँच अवधि
पीएक्स13					
रोजगार (जनशक्ति)	सं.	***	***	***	***
मजदूरी	रु./लाख	***	***	***	***
एमबीटी					
रोजगार (जनशक्ति)	सं.	***	***	***	***

मजदूरी	रु./लाख	***	***	***	***
सीबीएस					
रोजगार (जनशक्ति)	सं.	***	***	***	***
मजदूरी	रु./लाख	***	***	***	***
पीबीआई					
रोजगार (जनशक्ति)	सं.	***	***	***	***
मजदूरी	रु./लाख	***	***	***	***
टीडीक्यू					
रोजगार (जनशक्ति)	सं.	***	***	***	***
मजदूरी	रु./लाख	***	***	***	***
टीएमटी					
रोजगार (जनशक्ति)	सं.	***	***	***	***
मजदूरी	रु./लाख	***	***	***	***

67. रोजगार के स्तर में किसी खास परिवर्तन का पता नहीं चलता है। टीएमटी एक ऐसा उत्पाद है जिसे बाहर से उजरती कार्य पर तैयार कराया जाता है और इस प्रकार कोई कामगार नियोजित नहीं है।

छ.4. माल सूचियाँ

पीएक्स13	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जांच अवधि
आरंभिक स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***
अंतिम स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***
औसत स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***
दैनिक बिक्रियों की संख्या के अनुसार औसत स्टॉक	सं.	5	15	15	31
एमबीटी					
आरंभिक स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***
अंतिम स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***
औसत स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***
दैनिक बिक्रियों की संख्या के अनुसार औसत स्टॉक	सं.	32	32	61	29
सीबीएस					
आरंभिक स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***
अंतिम स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***
औसत स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***
दैनिक बिक्रियों की संख्या के अनुसार औसत स्टॉक	सं.	19	19	29	25
पीबीआई					
आरंभिक स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***
अंतिम स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***
औसत स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***
दैनिक बिक्रियों की संख्या के अनुसार औसत स्टॉक	सं.	21	34	40	37
टीडीक्यू					
आरंभिक स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***

अंतिम स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***
औसत स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***
दैनिक बिक्रियों की संख्या के अनुसार औसत स्टॉक	सं.	11	21	37	47
टीएमटी					
आरंभिक स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***
अंतिम स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***
औसत स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***
दैनिक बिक्रियों की संख्या के अनुसार औसत स्टॉक	सं.	37	25	49	47

68. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि और जांच अवधि के दौरान माल सूची का निम्नानुसार संचयन हुआ है :

i) पीएक्स-13 - औसत मालसूची, जो वर्ष 2003-04 के दौरान केवल *** मी. टन थी, में वृद्धि शुरू हुई और *** मी. टन के स्तर पर पहुँच गई। जांच अवधि की समाप्ति पर अंतिम स्टॉक (31.3.2007 की स्थिति के अनुसार) *** मी. टन था। बिक्री दिनों के संबंध में औसत मालसूची, जो वर्ष 2003-04 में 5 दिन थी, में वर्ष 2004-05 और 2005-06 में पर्याप्त वृद्धि हुई और जांच अवधि में बढ़कर 31 दिन हो गई।

ii) एमबीटी- वर्ष 2003-04 के दौरान औसत माल सूची *** मी. टन थी जो वर्ष 2004-05 तथा 2005-06 में बढ़कर क्रमशः *** मी. टन और *** मी. टन हो गई। जांच अवधि के दौरान औसत भंडार सूची आधार वर्ष 2003-04 की तुलना में अधिक थी।

iii) सीबीएस- औसत माल सूची, जो वर्ष 2003-04 में *** मी. टन तथा वर्ष 2004-05 में *** मी. टन थी वर्ष 2004-05 में *** मी. टन हो गई। जांच अवधि के दौरान औसत माल सूची आगे और बढ़कर *** मी. टन हो गई। बिक्री दिनों के संबंध में औसत माल सूची, जो वर्ष 2003-04 में 19 दिन थी, जांच अवधि में बढ़ाकर 25 दिन हो गई।

iv) पीबीआई- वर्ष 2003-04 में औसत माल सूची *** मी. टन थी और यह वर्ष 2004 में बढ़कर *** मी. टन तथा वर्ष 2005-06 में बढ़कर 141 मी. टन हो गई। जांच अवधि के दौरान औसत माल सूची *** मी. टन थी। बिक्री दिनों के संबंध में औसत माल सूची, जो वर्ष 2003-04 में 21 दिन थी, जांच अवधि में बढ़ाकर 37 दिन हो गई।

v) टीबीक्यू- औसत माल सूची, जो वर्ष 2003-04 में *** मी. टन थी, वर्ष 2004-05 में बढ़कर *** मी. टन और वर्ष 2005-06 में बढ़कर *** मी. टन हो गई। जांच अवधि में औसत माल सूची आगे और बढ़कर *** मी. टन के स्तर पर पहुँच गई। बिक्री दिनों के संबंध में औसत माल सूची जो वर्ष 2003-04 में 11 दिन थी, उसमें लगातार वृद्धि हुई और ऊँची अवधि में बढ़कर 47 दिन के स्तर पर पहुँच गई।

vi) टीएमटी- वर्ष 2003-04 के दौरान औसत माल सूची *** मी. टन थी जो वर्ष 2005-06 में बढ़कर *** मी. टन और जांच अवधि में *** मी. टन हो गई। बिक्री दिनों की संख्या के संबंध में औसत माल सूची 37 दिन (वर्ष 2003-04) से बढ़कर 47 दिन (जांच अवधि) हो गई।

छ.5. वृद्धि

69. आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक वर्ष दर वर्ष मांग में सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित होती है। उत्पादन, बिक्री, कीमत तथा बाजार हिस्से के रूप में वृद्धि जांच अवधि में ऋणात्मक रही थी।

छ.6. निवेश

70. कंपनी ने इस बात पर विचार करते हुए नया निवेश किया है कि देश में वाहन उत्पादन में पर्याप्त वृद्धि होने के कारण रबड़ रसायनों की मांग में पर्याप्त बढ़ोत्तरी हो रही है। यद्यपि पाटन से अल्पावधि में पूंजी जुटाने की कंपनी की क्षमता पर अब तक प्रभाव नहीं पड़ा है तथापि इस बात की प्रबल संभावना है कि लगातार पाटन का पर्याप्त प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

छ.7. पाटन की मात्रा

71. एक ऐसे संकेतक जिसके तहत पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को क्षति पहुंच सकती है, के रूप में पाटन की मात्रा से यह पता चलता है कि जांच अवधि के लिए संबद्ध देशों के खिलाफ निर्धारित पाटन मार्जिन काफी अधिक है।

छ.8. क्षति संबंधी निष्कर्ष

72. क्षति के संबंध में प्राधिकारी निम्नानुसार निष्कर्ष निकालते हैं :

i) पीएक्स-13- जांच अवधि के दौरान पीएक्स-13 के आयात में समग्रतः पर्याप्त वृद्धि हुई है। आयातों में भारत में कुल उत्पादन, भारत में उत्पादन एवं खपत के संबंध में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहाँ तक कीमत प्रभाव का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त कटौती हो रही थी और घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में जांच अवधि के दौरान पर्याप्त गिरावट आई थी। जहाँ तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि उत्पादक द्वारा इससेस पूर्व यूरोप तथा ताईवान से पाटन का सामना किया जा रहा था और 7 जुलाई, 2005 को अंतरिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जा रहा था। उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री कीमत, लाभ, नकद लाभ तथा निवेश पर आय के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में पहले सुधार हुआ और तत्पश्चात् जांच अवधि में गिरावट आ गई। समूची क्षति अवधि के दौरान घरेलू बिक्री तथा बाजार हिस्से में गिरावट आई और माल सूचियों में वृद्धि हुई। आयातों से घरेलू कीमतें कम हो रही थी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 2003-04 और 2005-06 के दौरान कुछेक मापदण्डों में सुधार अन्य स्रोतों से विगत में हुए पाटन से उबरने के कारण हुआ था और वर्ष 2005-06 के दौरान कुछेक मापदण्डों में सुधार अन्य स्रोतों से विगत में हुए पाटन से उबरने के कारण हुआ था और वर्ष 2005-06 तथा 2006-07 के दौरान स्थिति संबद्ध देशों से पाटन के कारण खराब हुई थी।

ii) **पीवीआई-** पीवीआई के आयातों में समग्र रूप में पर्याप्त वृद्धि हुई है। भारत में उत्पादन एवं खपत के संबंध में आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहाँ तक कीमत प्रभाव का संबंध है, यह पाया गया है कि आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त कटौती हो रही थी और क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में पर्याप्त गिरावट आई थी। जहाँ तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि उत्पादन, क्षमता उपयोग, बाजारर हिस्सा, माल सूची, बिक्री कीमत, लाभ, नकद लाभ तथा निवेश पर आय के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है। यद्यपि वर्ष 2005-06 के दौरान घरेलू बिक्री में वृद्धि हुई है तथापि मांग में वृद्धि होने और वर्ष 2005-06 में घरेलू उद्योग द्वारा क्षमता बढ़ाने पर भी जांच अवधि में इसमें गिरावट आई है। आयातों से समूची क्षति अवधि में कीमत कम हुई थी।

iii) **टीडीक्यू-** टीडीक्यू के आयातों में समग्र रूप में वृद्धि हुई है। भारत में आयातों और भारत में उत्पादन/खपत के संबंध में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहाँ तक कीमत प्रभाव का संबंध है, आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त कटौती हो रही थी। परिणामतः घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत, जिसमें वर्ष 2005-06 तक वृद्धि हुई थी, उसमें तत्पश्चात जांच अवधि में पर्याप्त गिरावट आई। परिणामतः लाभ, नकद लाभ तथा निवेश के आय पर जांच अवधि में गिरावट आई। जहाँ तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि उत्पाद द्वारा इससे पूर्व ईयू तथा ताईवान से पाटन का सामना किया जा रहा था जिनके मामले में जांच शुरू कर दिनांक 7 जुलाई, 2005 को पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था। ईयू तथा ताईवान पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के परिणामस्वरूप वर्ष 2003-04 और 2005-06 के बीच उत्पादन, क्षमता उपयोग, घरेलू बिक्री, बिक्री कीमत, लाभ/हानि, नकद लाभ, निवेश पर आय के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार हुआ। तथापि, चीन से पाटन होने के कारण जांच अवधि में अन्य सभी कारकों के संबंध में निष्पादन पुनः गिरावट आ गई। समूची अवधि में घरेलू उद्योग की माल सूची में वृद्धि हुई। घरेलू उद्योग ने मांग में वृद्धि के अनुरूप क्षमताओं में वृद्धि की। तथापि, वर्ष 2005-06 तक सुधार होने के बाद क्षमता उपयोग में जांच अवधि में पर्याप्त गिरावट आई। प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 2003-04 और 2005-06 के बीच अनेक मापदण्डों में सुधार अन्य स्रोतों से पूर्व हुए पाटन से उबरने के कारण हुआ था जबकि जांच अवधि में स्थिति चीन से पाटन होने के कारण खराब हुई थी।

iv) **टीएमटी-** टीएमटी के आयातों में समग्र रूप में और भारत में उत्पादन/खपत के संबंध में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहाँ तक कीमत प्रभाव का संबंध है, आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में पर्याप्त कटौती हो रही थी परिणामतः घरेलू उद्योग की कीमत में पर्याप्त कटौती हो रही थी। परिणामतः घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में वर्ष 2005-06 तक वृद्धि हुई किन्तु जांच अवधि में गिरावट आई। इसके अलावा, जहाँ बिक्री लागत में वृद्धि हुई, वहीं बिक्री कीमत में गिरावट आई। जहाँ तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, वर्ष 2005-06 तक उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, लाभ, निवेश पर आय और नकद लाभ के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार हुआ जबकि माल सूची में वृद्धि हुई और बाजारर हिस्से में गिरावट आई। जांच अवधि में घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त कमी करने के लिए बाध्य होना पड़ा और परिणामतः लाभ, निवेश पर आय तथा नकद लाभ में गिरावट आई।

v) **सीबीएस-** सीबीएस के आयातों में समग्र रूप में और भारत में उत्पादन/खपत के संबंध में पर्याप्त वृद्धि हुई। जहाँ तक कीमत प्रभाव का संबंध है, आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में पर्याप्त कटौती हो रही थी, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में वर्ष 2003-04 से 2005-06 तक वृद्धि हुई और

जांच अवधि में उसमें पर्याप्त गिरावट आई १ जहाँ तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि वर्ष 2005-06 तक उत्पादन, बिक्री मात्रा, लाभप्रदता, पीबीआईटी, नकद लाभ के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार हुआ किन्तु जांच अवधि के दौरान (उत्पादन तथा बिक्री मात्रा को छोड़कर) इनमें गिरावट आई । जांच अवधि के दौरान क्षमता उपयोग में मुख्यतः उत्पादन मात्रा में बिक्री के जरिए संवर्धित क्षमता के कारण गिरावट आई । जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग क्षति रहित कीमत से अधिक बिक्री कीमत प्राप्त कर सका । वर्ष 2005-06 की तुलना में जांच अवधि में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई ।

vi) **एमबीटी-** एमबीटी के आयातों में समग्र रूप में और भारत में उत्पादन/खपत के संबंध में पर्याप्त वृद्धि हुई है । जहाँ तक कीमत प्रभाव का संबंध है, आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में पर्याप्त कटौती हो रही थी । वर्ष 2005-06 तक घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में वृद्धि हुई और जांच अवधि में उसमें पर्याप्त गिरावट आई जबकि समूची क्षति अवधि के दौरान उत्पादन लागत में वृद्धि हुई । इस प्रकार आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में ह्रास तथा न्यूनीकरण हो रहा था । जहाँ तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, घरेलू उद्योग की बिक्री में वर्ष 2005-06 तक सुधार हुआ और उसके बाद उसमें गिरावट आई । वर्ष 2004-05 में उत्पादन तथा क्षमता उपयोग में पर्याप्त वृद्धि हुई किन्तु वर्ष 2005-06 में गिरावट आई और तत्पश्चात वर्ष 2003-04 तथा 2004-05 में इनका स्तर कम रहने के बावजूद जांच अवधि में इनमें पुनः वृद्धि हुई, तथापि बिक्री कीमत में वर्ष 2005-06 तक वृद्धि हुई और जांच अवधि में उसमें गिरावट आई । परिणामतः वर्ष 2005-06 तक लाभ, नकद लाभ तथा निवेश पर आय में सुधार हुआ किन्तु जांच अवधि में उनमें गिरावट आई ।

73. उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर, प्राधिकारी नअंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि उत्पादन, बिक्री मात्रा, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्सा, कीमत, लाभ, निवेश पर आय, नकद लाभ को प्रभावित करने वाले कारकों के संबंध में घरेलू उद्योग की स्थिति खराब हुई है और इस प्रकार सामूहिक एवं संचयी रूप से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।

छ.9. वृद्धि

74. वर्ष 2005-06 तक संबद्ध प्रत्येक रबड़ रसायन के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि सकारात्मक रही थी । तथापि, प्रस्तावित जांच अवधि के दौरान संबद्ध प्रत्येक रबड़ रसायन के बारे में वृद्धि नकारात्मक बन गई । अधिकांश मापदण्डों के संबंध में वृद्धि नकारात्मक देखी गई है ।

झ. कारणात्मक संबंध

i) **पीएक्स-13** - पीएक्स-13 के आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त कटौती हो रही थी । इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप, जहाँ एक ओर आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई, वहीं दूसरी ओर घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में गिरावट आई । परिणामतः घरेलू बिक्री, बाजार हिस्सा, लाभ/हानि, नकद लाभ, निवेश पर आय, जिनमें वर्ष 2005-06 तक सुधार हो रहा था, उनमें जांच अवधि में पुनः पर्याप्त गिरावट आई और घरेलू उद्योग की माल सूची में वृद्धि हो गई । प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 2003-04 और 2005-06 के बीच कुछेक मापदण्डों में सुधार अन्य स्रोतों से विगत में हुए पाटन से उबरने के कारण हुआ जबकि वर्ष 2005-06 और 2006-07 में संबद्ध देशों से पाटन के कारण स्थिति खराब हुई ।

ii) **पीवीआई-** पीवीआई के आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त कटौती हो रही थी। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप जहाँ एक ओर आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई, वहीं दूसरी ओर घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में गिरावट आई। परिणामतः, क्षति अवधि के दौरान उत्पादन, क्षमता उपयोग, माल सूची, बाजार हिस्सा, लाभ/हानि, नकद लाभ, निवेश पर आय में गिरावट आई। समूची अवधि के दौरान कीमत में पर्याप्त कटौती के परिणामस्वरूप बाजार में कीमत का पर्याप्त हास हुआ परिणामतः जहाँ घरेलू बिक्री में वर्ष 2005-06 तक वृद्धि हो रही थी, वहीं जाँच अवधि में उसमें गिरावट आ गई।

iii) **टीडीक्यू-** टीडीक्यू के आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त कटौती हो रही थी। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप जहाँ एक ओर आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई, वहीं दूसरी ओर घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत, जिसमें दूसरे देशों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के बाद वर्ष 2005-06 तक वृद्धि हो रही थी, उसमें जाँच अवधि में पर्याप्त गिरावट आ गई। परिणामतः घरेलू उद्योग का निष्पादन जिसमें अन्य स्रोतों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से वर्ष 2005-06 तक सुधार हो रहा था, उसमें जाँच अवधि में पर्याप्त गिरावट आ गई। परिणामतः घरेलू उद्योग का निष्पादन, जिसमें अन्य स्रोतों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से वर्ष 2005-06 तक सुधार हो रहा था, उसमें जाँच अवधि के दौरान उत्पादन, घरेलू बिक्री, क्षमता उपयोग, माल सूची, बाजार हिस्सा, लाभ/हानि, नकद लाभ, निवेश पर आय में पुनः गिरावट आ गई तथा घरेलू उद्योग की माल सूची में वृद्धि हो गई। समूची अवधि के दौरान हुई पर्याप्त कीमत कटौती के परिणामस्वरूप लाभ, निवेश पर आय तथा नकद लाभ में भारी गिरावट आई। तथापि, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि समग्र घरेलू उत्पादकों का बाजार हिस्सा (घरेलू उद्योग सहित), जो जाँच अवधि में 75.16% था, जाँच अवधि में बढ़कर 78.58% हो गया। इसके अलावा, घरेलू उद्योग लगभग क्षतिरहित कीमत प्राप्त करने में सफल रहा।

iv) **टीएमटी-** टीएमटी के आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में पर्याप्त कटौती हो रही थी। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप, जहाँ एक ओर आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई, वहीं वर्ष 2005-06 तक बढ़ रही घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में जाँच अवधि के दौरान उत्पादन, क्षमता उपयोग, माल सूची, बाजार हिस्सा, लाभ/हानि, नकद लाभ, निवेश पर आय के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई।

v) **एमबीटी-** एमबीटी के आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी कटौती हो रही थी। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप जहाँ एक ओर आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई वहीं दूसरी ओर घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत, जिसमें 2005-06 तक वृद्धि हो रही थी, उसमें समूची क्षति अवधि के दौरान उत्पादन में वृद्धि होने पर जाँच अवधि में गिरावट आई। परिणामतः उत्पादन, क्षमता उपयोग, माल सूची, बाजार हिस्से, लाभ/हानि, नकद लाभ, निवेश पर आय के बारे में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई। कीमत में पर्याप्त कटौती के परिणामस्वरूप जाँच अवधि के दौरान लाभ, नकद लाभ और निवेश पर आय में गिरावट जारी रही।

vi) **सीबीएस-** सीबीएस के आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी कटौती हो रही थी। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप जहाँ एक ओर आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई वहीं दूसरी ओर घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत, जिसमें 2004-05 और 2005-06 तक वृद्धि हुई, उसमें जाँच अवधि में गिरावट आई। परिणामतः घरेलू उद्योग का निष्पादन, जिसमें 2005-06 तक सुधार हो रहा था, उसमें लाभ/हानि, नकद लाभ और निवेश पर आय के बारे में गिरावट आई। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जाँच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता में वृद्धि हुई जिसके परिणामस्वरूप क्षमता उपयोग में गिरावट आई। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि कम क्षमता उपयोग के बावजूद जाँच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग

के बाजार हिस्से में सुधार हुआ। इसके अलावा, घरेलू उद्योग क्षतिरहित कीमत से अधिक बिक्री कीमत प्राप्त करने में समर्थ रहा।

ट. अन्य ज्ञात कारकों की जाँच

ट.1 अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा एवं कीमत

75. अन्य देशों से हुए आयातों की मात्रा और मूल्य या तो न्यूनतम थे या उनकी कीमत काफी अधिक थी। वस्तुतः समस्त संबद्ध रबड़ रसायनों में अन्य देशों (भारत में आयातों में) के हिस्से में पीएक्स-13 (6-पीपीडी), एमबीटी और टीडीक्यू के संबंध में गिरावट आई जबकि संबद्ध देशों के हिस्से में पर्याप्त वृद्धि हुई। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि अन्य देशों से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो रही है।

ट.2 माँग में कमी और/अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

76. संबद्ध रबड़ रसायनों की माँग में वृद्धि हो रही है। अतः माँग में संभावित गिरावट घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है। इसके साथ-ही-साथ बाजार में माँग बढ़ने के बावजूद घरेलू उद्योग की बिक्री में या तो समग्र रूप में या खपत की तुलना में गिरावट आई है।

ट.3 विदेशी एवं घरेलू उत्पादों के बीच व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और प्रतिस्पर्धा

77. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पाटित आयातों से हुई है। याचिकाकर्ता द्वारा पिछले कई वर्षों से संबद्ध रबड़ रसायनों का उत्पादन किया जा रहा है। घरेलू उद्योग द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी विश्व भर के अन्य प्रतिस्पर्धियों द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी से तुलनीय है। विनिर्माण प्रक्रिया में कोई खास अंतर नहीं है। वस्तुतः संबद्ध रबड़ रसायनों सहित विभिन्न रबड़ रसायनों के उत्पादन की प्रौद्योगिकी सहित प्रक्रिया में छिटपुट विकास निष्पक्षतः परिपक्व, प्रमाणिक और मानकीकृत हैं जिनमें छिटपुट प्रौद्योगिकीय नवीकरण और विकास हुए हैं।

78. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उद्योग में ऐसी कोई प्रतिबंधात्मक प्रथा प्रचलित नहीं है जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जा सके।

ट.4 प्रौद्योगिकी विकास

79. प्रौद्योगिकी और विभिन्न रबड़ रसायनों के उत्पादन की प्रक्रिया छिटपुट तकनीकी या प्रौद्योगिकीय विकास के साथ निष्पक्षतः स्थिर है। प्रौद्योगिकी में बमुश्किल कोई विकास हुआ है।

ट.5 निर्यात निष्पादन

पीएक्स13	इकाई	2003-04	2004-05	2005-06	जाँच अवधि
निर्यात बिक्री	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	103.92	119.56	101.28
एमबीटी					
निर्यात बिक्री	मी. टन	***	***	***	***

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	137.21	28.01	128.56
सीसीएच					
निर्यात बिक्री	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	97.73	97.78	166.21
पीवीआई					
निर्यात बिक्री	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	90.68	100.53	93.24
टीबीक्यू					
निर्यात बिक्री	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	91.65	109.03	108.93
टीएमटी					
निर्यात बिक्री	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	116.47	91.21	125.83

80. याचिकाकर्ता ने प्रतिकूल निर्यात निष्पादन के कारण हुई क्षति और भारतीय बाजार में पाटन के कारण घरेलू उद्योग में हुई क्षति का अलग-अलग ब्यौरा दिया है। इस प्रकार, दावा की जा रही क्षति वह क्षति है जो घरेलू बाजार में ही निष्पादन के कारण हुई है।

ट.6 घरेलू उद्योग के अन्य उत्पादों का निष्पादन

81. कम्पनी द्वारा उत्पादित और बिक्रीत अन्य रबड़ रसायनों के निष्पादन में भी गिरावट आई है जिसका कारण इन उत्पादों का पाटन है। याचिकाकर्ता को कुछ अन्य रबड़ रसायनों के संबंध में भी पाटन का सामना करना पड़ रहा है। तथापि, अलग-अलग रबड़ रसायन समान वस्तुएँ नहीं हैं। इसके अलावा नियमावली के अनुबंध II में यह उपबंध है कि जब समान वस्तु के संबंध में अलग से सूचना उपलब्ध कराई जा सकती है तब उसे संगत सूचना के रूप में माना जाना चाहिए। ऐसा तब होता है जब विचाराधीन उत्पाद और अन्य उत्पादों के संबंध में पृथक् सूचना को सम्मिलित नहीं किया जा सकता है क्योंकि नियमों के अंतर्गत क्षति विश्लेषण में अन्य उत्पादों को शामिल करने का भी प्राधिकारी है। विधिक उपबंध को अपनाते हुए प्राधिकारी ने उत्पादों के संबंध में उपलब्ध कराई गई क्षति सूचना में ऐसे अन्य उत्पादों में हुई क्षति को शामिल नहीं किया है जिनके लिए वर्तमान याचिका दायर की गई है।

82. ऐसे किसी अन्य कारक को प्राधिकारी की जानकारी में नहीं लाया गया है जिससे घरेलू उद्योग को संभावित क्षति हो सकती है।

ठ. कारणात्मक संबंध के बारे में निष्कर्ष

83. पाटित आयातों की मात्रा में पर्याप्त वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में भारी गिरावट आई है। आगे यह देखा जाता है कि संबद्ध देशों से हुए संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि होने के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में आई गिरावट से घरेलू उद्योग माँग में वृद्धि के अनुरूप अपनी बिक्री बढ़ाने से वंचित हुआ। परिणामतः जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री में उस सीमा तक वृद्धि नहीं हुई जिस सीमा तक घरेलू उद्योग अपनी क्षमता का इष्टतम उपयोग कर सकता था। परिणामतः घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग में गिरावट आई जिससे घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में कमी आई। पाटित आयातों द्वारा की गई पर्याप्त कीमत कटौती से घरेलू उद्योग अपनी कीमतों को लागत में हुई वृद्धि की सीमा तक बढ़ाने से वंचित हुआ। परिणामतः घरेलू

उद्योग के लाभ, नकद लाभ और निवेश पर आय में जांच अवधि के दौरान गिरावट आई। पाटित आयातों द्वारा हुई पर्याप्त कीमत कटौती और उनमें भारी वृद्धि होने से वर्ष 2005-06 तक सुधार होने के बाद जांच अवधि में लाभ, नकद लाभ और निवेश पर आय के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

84. अतः प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि संबद्ध देशों के मूल के पाटित आयातों से पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 और पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.5 के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

ड. क्षति मार्जिन की मात्रा

प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षतिरहित कीमत की तुलना क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु निर्यातों के पहुँच मूल्य से की गयी है। संबद्ध देशों से हुए निर्यातों की भारत औसत पहुँच कीमत और क्षति मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :

ड.1 क्षति मार्जिन संबंधी गणनाएं

ड. निष्कर्ष

86. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि :

क. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है;

ख. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;

ग. यह क्षति संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों के कारण हुई है।

ण. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

87. प्राधिकारी यह स्वीकार करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारत में उत्पाद का कीमत स्तर प्रभावित हो सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहार द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और उपभोक्ताओं के लिए संबद्ध वस्तु का व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी। उपभोक्ता अभी भी आपूर्ति के दो या इससे भी स्रोत रख सकते हैं।

88. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहारों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल की जा सके जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देशों से होने वाले आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसीलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

त. सिफारिशें

89. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरू की गई थी और उसकी सूचना समस्त हितबद्ध पार्टियों को प्रदान की गई थी और पाटन, क्षति तथा कारणात्मक संबंध के बारे में सकारात्मक सूचना प्रदान करने के लिए निर्वातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों को पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। पाटन, क्षति तथा पाटन एवं घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के बारे में निर्धारित नियमों के अनुसार प्रारंभिक जांच शुरू करने के बाद और संबंध देशों के खिलाफ सकारात्मक पाटन मार्जिन की अनंतिम रूप से पुष्टि करने एवं ऐसे पाटन आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति का प्रमाणित करने के बाद प्राधिकारी की राय यह है कि जांच पूरी होने तक पाटन एवं क्षति को समाप्त करने के लिए अनंतिम शुल्क लगाना अपेक्षित है।

90. अतः प्राधिकारी संबंध देशों से संबंध वस्तु के आयातों पर निम्नलिखित रूप में और ढंग से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क आवश्यक समझते हैं और उसकी सिफारिश करते हैं।

91. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए भारतीय रुपए के मूल्य वर्ग में पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क, जो भी कम हो, की सिफारिश की जा सकती है तबकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार, संबंध देशों के मूल के या वहाँ से निर्यातित संबंध वस्तु के समस्त आयातों पर निम्नलिखित तालिका के कॉलम 8 में उल्लिखित राशि के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क को केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से लगाने की सिफारिश की जाती है।

ब.1 शुल्क तालिका

क्र. सं.	उप राशि	विवरण	विवर्तन	उद्गम देश	निर्वात का देश	उत्पादक	निर्वातक	शुल्क की राशि	माप की इकाई	मुद्रा
-1	-2	-3	-4	-5	-6	-7	-8	-9	-10	-11
1	2503, 2902, 2907, 2909, 2917, 2921, 2925, 2930, 2933, 2934, 2935, 2942, 3811, 3812, 3813	रबड़ रसायन पीएक्स-13	सीबे टिब्यनी 1	चीन	चीन	सिन्जोकेम (ग्रुप) कं.	सिन्जोकेम (ग्रुप) कं.	48.34	प्रति कि. ग्रा.	भारतीय रुपए
2	वही	वही		चीन	कोई	उपयुक्त इतर कोई	उपयुक्त से इतर अन्य कोई	66.62	प्रति कि. ग्रा.	भारतीय रुपए
3	वही	वही		कोरिया	कोरिया	उपयुक्त इतर कोई	उपयुक्त से इतर अन्य कोई	66.62	प्रति कि. ग्रा.	भारतीय रुपए
4	वही	वही		कोरिया	कोरिया	कोरिया के कार्मोस्यूटिकल कं. लि.	कोरिया के कार्मोस्यूटिकल कं. लि.	10.44	प्रति कि. ग्रा.	भारतीय रुपए
5	वही	वही		कोरिया	कोई	उपयुक्त इतर कोई	उपयुक्त से इतर अन्य कोई	27.56	प्रति कि. ग्रा.	भारतीय रुपए

6	वही	वही		चीन से इतर कोई	कोरिया अन्य	उपर्युक्त से इतर कोई	उपर्युक्त से इतर अन्य कोई	27.56	प्रति कि. ग्रा.	भारतीय रुपए
7	वही	रबड़ रसायन एमबीटी	नीचे टिप्पणी 2	चीन	चीन		शैनडॉंग शैक्सियन कैमिकल कं. लि.	23.11	प्रति कि. ग्रा.	भारतीय रुपए
8	वही	वही		चीन	कोई	उपर्युक्त से इतर कोई	उपर्युक्त से इतर अन्य कोई	33.51	प्रति कि. ग्रा.	भारतीय रुपए
9	वही	वही		कोई	चीन	उपर्युक्त से इतर कोई	उपर्युक्त से इतर अन्य कोई	33.51	प्रति कि. ग्रा.	भारतीय रुपए
10	वही	रबड़ रसायन टीडीक्यू	नीचे टिप्पणी 3	चीन	कोई	कोई	कोई	20.55	प्रति कि. ग्रा.	भारतीय रुपए
11	वही	वही		कोई	चीन	कोई	कोई	20.55	प्रति कि. ग्रा.	भारतीय रुपए
12	वही	रबड़ रसायन टीएमटी	नीचे टिप्पणी 4	चीन	चीन	शैनडॉंग शैक्सियन कैमिकल कं. लि.	शैनडॉंग शैक्सियन कैमिकल कं. लि.	शून्य	प्रति कि. ग्रा.	भारतीय रुपए
13	वही	वही		चीन	कोई	उपर्युक्त से इतर कोई	उपर्युक्त से इतर अन्य कोई	शून्य	प्रति कि. ग्रा.	भारतीय रुपए
14	वही	वही		कोई	चीन	उपर्युक्त से इतर कोई	उपर्युक्त से इतर अन्य कोई	शून्य	प्रति कि. ग्रा.	भारतीय रुपए
15	वही	रबड़ रसायन सीबीएस	नीचे टिप्पणी 5	चीन	चीन	शैनडॉंग शैक्सियन कैमिकल कं. लि.	शैनडॉंग शैक्सियन कैमिकल कं. लि.	शून्य	प्रति कि. ग्रा.	भारतीय रुपए
16	वही	वही		चीन	कोई	उपर्युक्त से इतर कोई	उपर्युक्त से इतर अन्य कोई	शून्य	प्रति कि. ग्रा.	भारतीय रुपए
17	वही	वही		कोई	चीन	उपर्युक्त से इतर कोई	उपर्युक्त से इतर अन्य कोई	शून्य	प्रति कि. ग्रा.	भारतीय रुपए
18	वही	रबड़ रसायन पीवीआई	नीचे टिप्पणी 6	चीन	चीन	शैनडॉंग शैक्सियन कैमिकल कं. लि.	शैनडॉंग शैक्सियन कैमिकल कं. लि.	12.45	प्रति कि. ग्रा.	भारतीय रुपए

19	वही	वही		चीन	चीन	शेनडोंग यांगु हुतई कैमिकल कं. लि.	शेनडोंग यांगु हुतई कैमिकल कं. लि.	23.44	प्रति कि. ग्रा.	भारतीय रूपए
20	वही	वही		चीन	कोई	उपयुक्त इतर कोई	से उपयुक्त अन्य कोई	29.34	प्रति कि. ग्रा.	भारतीय रूपए
21	वही	वही		कोई	चीन	उपयुक्त इतर कोई	से उपयुक्त अन्य कोई	29.34	प्रति कि. ग्रा.	भारतीय रूपए

निर्देशनों के संबंध में (उपयुक्त कॉलम 4), निम्नलिखित तालिका लागू होगी

	जेनेरिक नाम	ब्रयोकरण	अन्य व्यापारिक नाम/ब्रांड नाम
1	6 पीपीडी	3810, 3812, 2921, 9801	एन(1, 3-डाइमिथाइल ब्यूटाइल)- एन फिनाइल - पी - फिनाइलिनडाइएमिन या 6सी, या पिलफ्लेक्स 13, सिरेन्टॉक्स 4020, एंटीऑक्सिडेंट्स 4020, कुम्होनेक्स 13, वल्केनॉक्स 4020
2	एमबीटी	2934, 2942, 3812	2- मर्कटो बेजोथाइएजॉल, या एक्सेलेरेटर एम, एक्सेलेरेटर एमबीटी
3	टीएमक्यू	2921, 2933, 2934, 3812, 9801	पॉलिमेराइज्ड 2,2, 4- ट्राइमिथाइल-1,2- डाइहाइड्रोक्विनोलिन या टीडीक्यू या एंटीऑक्सिडेंट आरडी
4	टीएमटी	2930, 2942, 3812	टेट्रा मिथाइलथियुरम डिसफ्लाइड या एक्सेलेरेटर टीएमटीडी, थियुरम सी
5	सीबीएस	2934, 3812	एन- साइक्लोहेक्साइल, 2- बेजोथाइजोल सल्फेनामाइड, या एक्सेलेरेटर सीजेड, एक्सेलेरेटर एचबीएस, सीबीएस
6	पीवीआई	2921, 2925, 2935, 3812	एन- साइक्लोहेक्साइलथिओ थैलामाइड, या एंटी स्कॉच एजेंट सीटीपी, पीवीआई

द. आगे की प्रक्रिया

95. प्रारंभिक जांच परिणामों की अधिसूचना के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा।

क. प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षकारों से इन जांच परिणामों के संबंध में टिप्पणियाँ आमंत्रित करेंगे और उन पर अंतिम जांच परिणाम में विचार किया जाएगा;

ख. संबंधित ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, निर्यातकों, आवेदकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्राधिकारी द्वारा अलग से लिखा जा रहा है जो इस पत्र के प्रेषण के तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इन जांच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकता है;

ग. प्राधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे सत्यापन करेंगे।

घ. प्राधिकारी अंतिम जांच परिणामों की घोषणा करने से पहले आवश्यक तथ्यों का प्रकटन करेंगे।

आं. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 28th February, 2008

Preliminary Findings

Subject : Anti-Dumping Investigations involving imports of Rubber Chemicals viz., MBT, CBS, TDQ, PVI and TMT originating in or exported from China and PX 13 (6 PPD) from China and Korea RP.

No. 14/5/2007-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti- Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, (hereinafter referred as Rules) 1995 thereof;

A. PROCEDURE

2. The procedure described below has been followed:

- i. The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written petition from National Organic Chemical Industries Ltd., Mumbai on behalf of the domestic industry, alleging dumping of certain Rubber Chemicals, viz, MBT, CBS, TDQ, PVI and TMT originating in or exported from China PR and PX 13 (6PPD) from China PR and Republic of Korea (hereinafter also referred to as subject countries).
- ii. The Authority notified the Embassies / Representatives of the subject countries in India about the receipt of dumping application made by the petitioner before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra;
- iii. The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 6th July, 2007 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of Rubber Chemicals viz, MBT, CBS, TDQ, PVI, TMT and PX 13 (6PPD) originating in or exported from the subject countries, in accordance with the sub-Rule 6(1) of the Rules to determine the existence, degree and

effect of alleged dumping and to recommend the amount of anti dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

iv. The Designated Authority sent copies of initiation notification dated 6th July, 2007 to the Embassies of the subject countries in India, known exporters from the subject countries, importers, consumers and the domestic industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.

v. The Authority provides copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the Embassies of subject countries in accordance with Rule 6(3) supra.

vi. The Embassies of the subject countries in India were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters were also sent to them along with the names and addresses of the exporters.

vii. The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in subject countries in accordance with Rules 6(4).

S.N.	Company's Name	Country
1.	Nanjing Chemical Plant	China
2.	Zhejiang Yongjia Chemical Factory	China
3.	Shandong Shanxian Chemical Co.Ltd.	China
4.	Zhenjiang No.2 Chemical Factory	China
5.	Hebei Haufeng Chemical Group	China
6.	Qingdao Rubber Chemical Group	China
7.	Shenzhen Huaren Industrial Co.	China
8.	Yixing Dongfang Fine Chemicals	China
9.	Zhejiang Yueqing Ultrafine Powders & Chemicals Co.Ltd.	China
10.	Shandong Yanggu Huatai Chemical Co.Ltd.	China
11.	Korea Kumho Petrochemical Co.Ltd.	Korea

viii. In response to the above notification, the following exporters from China PR & Korea RP filed their questionnaire responses. The Chinese exporters also filed responses to Market Economy questionnaire.

1. Sinorgchem (Group)Co. – Shandong – China PR
2. Shandong Shanxian Chemical Co. Ltd.- China PR
3. Shandong Yanggu Huatai Chemical Co. Ltd.- China PR
4. Korea Kumho Petrochemical Co. Ltd. – Korea

ix. Questionnaire was sent to the following known importers and Consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4).

S.N.	Company's Name
1.	J.K. Industries Ltd., Kolkata
2.	CEAT Limited, Mumbai
3.	Appollo Tyres Ltd., Kochi
4.	Birla Tyre, Kolkata
5.	MRF Limited, Chennai
6.	Metro Tyres Ltd., Ludhiana
7.	Poddar Tyres Ltd. , Ludhiana
8.	Raison Ind. Ltd., New Delhi
9.	Rubber Products Ltd., Mumbai

x. In response to the notification, response has been received from Automotive Tyres Manufacturer's Association (ATMA), J.K. Industries Ltd. and PMC Group International, which has been considered in the present findings..

xi. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;

xii. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years and the period of investigation;

xiii. Optimum cost of production and cost of to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if anti-

dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry.

xiv. Investigation was carried out for the period starting from 1st April, 2006 to 31st March, 2007 (POI). The examination of trends, in the context of injury analysis, covered the periods April 2003-March 2004, April 2004-March 2005, April 2005-March 2006 and the POI.

xv. *** in this notification represents information furnished by the applicant on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.

B. Product under consideration

3. The product under consideration in the present investigations is following Rubber Chemicals:-

- i. MBT, having chemical description 2-Mercapto Benzothiazole, with other trade/brand name as Accelerator M, Accelerator MBT etc.
- ii. CBS, having chemical description N-Cyclohexyl-2-Benzothiazole Sulphenamide with other trade name/brand names as Accelerator CZ, Accelerator HBS, CBS etc.
- iii. TDQ, having chemical description Polymerized 2,2,4 - Trimethyl-1,2-dihydroquinoline with other trade/brand names as TMR or Antioxidant RD etc.
- iv. PVI, having chemical description N-(Cyclohexylthio) Pthalimide with other trade/brand names as Anti Scorch agent CTP, PVI etc.
- v. TMT having chemical description as Tetramethylthiuram Disulfide with other trade/brand names as Accelerator TMTD Thiuram C etc.
- vi. Px-13 (6PPD) having chemical description N-(1,3-dimethyl butyl)-N' Phenyl-P-1 with other trade/brand names as 6C, Pilflex 13, Sirantox 4020 Antioxidant 4020, Kumhonax, 13 Vulcanox 4020 etc.

4. The above have been referred to as subject goods also in the present notification.

5. The subject rubber chemicals as detailed above are used in treating natural rubber and synthetic rubber based compounds. The products do not have a dedicated classification even at eight-digit level. The products are imported under Chapter 29 and 38 of the Customs Tariff Act. Customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation. Since the products do not have a dedicated classification, information provided by the data compiling agencies (IBIS) has been relied upon in the

present findings. This information has been correlated with the information provided by responding foreign producers.

The user industry is broadly divided into two segments – tyre and non-tyres. In both the segments, it is used for processing of various types of natural and synthetic rubbers. These are stated to be not a principal input/raw material to any industry and are only processing chemicals.

C. Like Article

6. Petitioner has claimed that there is no significant difference in subject goods produced by the domestic industry and exported from the subject countries. Each of the subject rubber chemical produced by the domestic industry is individually comparable to respective rubber chemicals imported from subject countries in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. Both are technically and commercially substitutable and hold closely resembling characteristics. It was claimed by the domestic industry that the consumers are using the two interchangeably. For the purpose of present investigation, each of the subject rubber chemical produced by the petitioner are being treated as like article to the respective rubber chemical imported from the subject country(ies) within the meaning of the Anti Dumping Rules.

D. Standing of the Petitioner and Initiation of the Investigation

7. The petition was filed by M/s. National Organic Chemical Industries Limited, Mumbai. There are three other producers of the subject goods in India viz. M/s. Lanxess India Pvt.Ltd., Thane; PMC Rubber Chemicals India Pvt.Ltd., Hooghly; and Merchem Ltd., Ernakulam. Petitioner claimed that the intensity of dumping had been such that while some of Indian Producers have substantially exited from manufacture of rubber chemicals and in fact, turned traders, resorting to imports of rubber chemicals, others have started importing intermediates from China, even at penultimate stage, where the further processing involved is insignificant in terms of total production activities. Petitioner further claimed that whether production of other Indian Producers is included or excluded, production of the petitioner constitutes more than 50% of Indian Production for each of the subject chemicals.

8. One of the responding exporters M/S Sinorgchem Group of Companies has pleaded in their submissions that NOCIL has deliberately not provided details of its estimates of production for other companies so that other producers who are opposing the petition may not

rebut the claims on production. It has further been pleaded that NOCIL has not provided sufficient details and has succeeded in misleading the Designated Authority in initiating the proceedings.

9. The Authority having taken above submissions into consideration notes that the copy of initiation notification was sent to all other named domestic producers to enable them to rebut the claims of the petitioner on all aspects of the case including their manufacturing capacity, production etc. Apart from Swarup Chemicals (P) Ltd. And PMC Group International, no other domestic producer named in the petition and to whom the notices were sent, has submitted its response. Whereas Swarup Chemicals (P) Ltd. claiming to have an annual capacity of 4250 MT for manufacture of MBT, CBS, TMT and TDQ have supported the petition of the Domestic Industry, PMC Group has stated in their submissions that they are major importers of the subject goods from subject countries. Having considered all the aspects and based upon the information on record, the Authority has determined that production by petitioner company during POI constituted a major proportion in the Indian production for each of the subject rubber chemicals, as is seen from the table below:-

S.No	Type of rubber chemical	NOCIL production	Production of Other Indian Producers (estimated)	Total Indian Production	Share of NOCIL in Indian Production
1.	PX 13	***	***	***	69.30%
2.	TDQ	***	***	***	77.78
3.	PVI	***	***	***	83.01%
4.	TMT	***	***	***	63.59%
5.	MBT	***	***	***	79.07%
6.	CBS	***	***	***	72.19

10. The Authority therefore holds that the petition satisfies the condition of standing under the Rules and the petitioner constitutes "domestic industry" within the meaning of Rule 2(b) and Rule 5(3) (a) of Anti-Dumping Rules.

E. Other submissions and issues raised

11. APJ-SLG Law Offices have submitted a response on behalf of the Tyre Manufacturers Association. In their submissions they have stated that since there are six different products involved, Authority should have initiated six different investigations so that dumping, injury and causal link analysis could be done in a meaningful way. They have stated that domestic industry clearly lays down that domestic industry means the domestic producers engaged in the manufacture of like article and therefore the investigation should be

restricted to only one article. It has been stated that for the purposes of standing petitioner has not considered the data of other domestic manufacturers.

12. From amongst importers, J.K. Industries Ltd. has furnished a response in the form of importers questionnaire and the details and data provided have been considered for the sake of these preliminary findings

F. Determination of Dumping Margin

F.1 Examination of market Economy claims of Producer / Exporter from China.

13. The Authority notes that in the past three years, China PR has been treated as a non-market economy country in the anti-dumping investigations by other WTO members. Therefore, in terms of Para 8(2) of the annexure-1 of Anti-dumping rules, China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the above presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the above Rules.

14. As per Paragraph 8, Annexure 1 to the Anti-Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and prove to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment (MET) questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- a. the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand without significant state interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b. the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c. Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms.
- d. The exchange rate conversions are carried out at the market rate.

15. The Authority notes that three producers and exporters of the subject goods from China have submitted their exporter's questionnaire responses and market economy questionnaire responses, consequent upon the initiation notice issued by the Authority and rebutted the non-market economy presumption. The questionnaire responses and the Market Economy responses of the responding producers and exporter have been examined for determination of normal value of the responding producers/exporter of the subject goods from China as follows:

a) M/s. Shandong Shanxian Chemical Co.Ltd.

i. M/s. Shandong Shanxian Chemical Co.Ltd. has filed an exporter's questionnaire response and MET response in this matter as a producer and exporter of the subject goods. Additional information was also called for from the applicant on its claim of market economy status. The Authority notes that M/s. Shandong Shanxian Chemical Co.Ltd. appears to be a company under transformation as the factory was very new in existence during 1998-99 itself.

ii. The producer was advised to submit the necessary details of transformation i.e. transfer of assets and liability of the former enterprise during 1998-99, process followed, valuation of assets etc. The producer vide its letter dated Dec. 2007 submitted certain additional information.

iii. Pending the examination of the status of the erstwhile company and its shareholding, valuation of assets and liability, its impact on the cost and prices, business decision of the company, and verification of the same, the Authority is of the view that this producer-exporter from China can not be granted market economy status for the preliminary determination of its normal value.

b) M/s. Shandong Yanggu Huatai Chemical Co.Ltd.

i. M/s. Shandong Yanggu Huatai Chemical Co.Ltd. has filed an exporter's questionnaire and MET response as a producer-Exporter of the PVL. Additional information was also called from the applicant on MET questionnaire and exporters response vide letter dated 10th Dec. 2007. The producer - Exporter submitted certain information vide letter dated Dec. 2007.

ii. As per MET questionnaire response, the company informed that it was established on 23.3.2000 as 'limited liability' company whereas as per exporter's response, it was noted that company was established on Dec.22, 1998. It was also noted that technology contract was entered into on 30.6.1997 between Shandong Yanggu Huatai Chemical Factory and Chemical Research Institute of Shandong

Province. In response to the deficiency letter, the producer/exporter has informed that Yanggu Huatai Organic Chemical factory was established in 1994 and registered as state owned factory. Pending the examination of the status of erstwhile company, its shareholding, valuation of assets and liabilities, its implication cost and prices, business decision of the company and verification of the same, the Authority is of the view that this producer-exporter cannot be granted market economy status for the preliminary determination of its normal value.

c) **Sinorgchem (Group)Co. Shanghai, Sinorgchem Co.,Shandong and Sinorgchem Co., Tai an**

i. Each of the above interested parties have filed an exporters' response and MET response as a producer and/or exporter of the subject goods. Since these companies are related to each other, they have sought 'Group Treatment'. Additional information was also called for on their respective claim of market economy status. Authority notes that Shandong Sinorgchem Co.Ltd., emerged in August 1998 during the property right reform of state-owned enterprises. As per business licence, the company was in operation since 14th May, 1999. The Company was set up by means of promotion and was established by Heze Import & Export Co.; Shandong, Shandong Caoxian Sinorgchem Chemical Factory, Cookian Kemic Co; Shandong, Caoxian. He Rubber Additive Agent Co; Shandong and Caoxian He Chang Rubber Additive Agent Co; Shandong. From the information available on record, it is noted that both Shandong Heze Area import and Export Company and Shandong Cao country Sinorgchem Five Chemical Plant were state owned enterprises having majority shares with these state owned enterprises. After establishment, the shares of the company have been transferred several times. In Oct 2005, Sinorgchem headquarter was established in Shanghai. In Feb.,2006 Sinorgchem Group was established in Shanghai. On June 8, 2006 the first stage of *** ton 4-ADPA was put into operation and production capacity reached ***tons per annum. Authority notes that prior to capacity expansion on June 8, 2006 the capacity of *** tons 4-ADPA per annum existed. Further, as per article of association of both of Sinorgchem Group Co. as well as Sinorgchem Co. Shanghai, it is noted that both these companies shall accept the supervision of Government and the public. Pending the examination of the status of erstwhile company, valuation of assets and liability, its impact on cost and prices, business decision of the company and verification of the same, the Authority is of the

view that these related companies cannot be granted market economy status for the preliminary determination of its normal value.

F.2 Determination of Normal Value

16. As recorded above there are significant issues of market economy determination in respect of the responding exporters from China PR which requires further examination and verification. Therefore, pending further examination and verification of the claims made by the responding exporters and producers from China PR, in respect of their market economy claims and individual treatment claims, for the purpose of the preliminary finding, the authority has provisionally estimated the normal value in China on the basis of Para 7 to Annexure-1 to the Rules.

17. In this connection Para 7 of Annexure I of the Rule provides that "In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis if the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments."

18. The Authority has indicated in the initiation notification that the petitioners have claimed China is a non-market economy. The petitioners have therefore claimed determination of normal value on the basis of constructed cost of production and also based upon price in Europe. Petitioners have claimed that normal value can not be determined on the basis of price or costs in third countries for the reason that subject goods are not produced in several countries and no information is publicly available in this regard. Therefore, the domestic industry has submitted that India should be treated as an appropriate surrogate country for China in this matter and the normal value should be determined accordingly.

19. Pending further examination of the issues, for the purpose of preliminary determination the Authority proceeds to provisionally determine the normal value in China on other reasonable basis, in terms of second proviso of Para 7 of Annexure 1 to the Rules. Accordingly, the ex-works Normal value of the product under consideration for all exporters from China has been provisionally constructed based on facts available. The Normal Value has been constructed taking into account international price of all the major inputs to the extent international prices of such raw materials are available. Consumption norms, conversion cost, and SGA expenses of the domestic industry have been adopted for determination of the normal value. After adding a reasonable profit margin of 5% constructed normal value works out as under:

S. No.	Product Under Consideration	CNV US\$/K.G
1.	PX-13 (6 PPD)	***
2.	TDQ	***
3.	PVI	***
4.	TMT	***
5.	MBT	***
6.	CBS	***

F.3 Export Price

a. Shandong Shanxian Chemicals Co.Ltd.

20. Shandong Shanxian has reported export of certain Rubber Chemicals i.e. MBT, CBS, PVI and TMT to India during the POI. The goods have been sold to direct customers in India. The sales to Indian customers are in CIF term. The exporter has claimed adjustments towards, inland freight, air freight and insurance to India and credit expenses to arrive at ex-factory export price. However, it is noticed that no adjustment towards the VAT paid and refund obtained has been made though the exporter is required to pay VAT @ 17% of the invoice value and is entitled for a refund a part of the VAT paid on export. Pending further clarification and verification of the claims made, including the VAT adjustments, the Authority has determined the export price of the above exporter as follows:

	Qty(MT)	Av.Net Invoice value US\$/MT	Adjustments claimed	VAT Adjustments	Net Export Price Rs/MT
MBT	***	***	***	***	***
CBS	***	***	***	***	***
PVI	***	***	***	***	***
TMT	***	***	***	***	***

b. M/s. Shandong Yanggu Huatai Chemical Co. Ltd

21. This exporter has exported *** MT of Rubber Chemical- PVI to India during the POI. The exporter exports the goods to India on CIF term. The producer-exporter has claimed adjustments towards inland freight, Air Freight, Insurance and credit expenses. However, it is noticed that no adjustment towards the VAT Paid and refund obtained has been made though the producer-exporter is required to pay VAT @ 17% of the Invoice value and is entitled for refund a part of VAT on export. Accordingly, pending further examination and verification of the data net ex-factory export price works out as follows:

Producer/Exporter	Qty in MT	Net Invoice value USD/MT	Total Adjustment claimed USD/MT	VAT Adjustments USD/MT	Net Export Price USD/MT
Shandong Yanggu Huatai	***	***	***	***	***

c. M/s. Sinorgchem Co. Shandong

22. This producer exporter has exported *** MTs of the Rubber Chemical i.e., 6PPD to India during POI. The sales to Indian customers are in CIF term. The exporter has claimed adjustments towards overseas freight and insurance, credit expenses, packing cost and bank charges to arrive at ex-factory export price. However, it is noticed that no adjustment towards VAT paid and refund obtained has been made though the producer-exporter is required to pay VAT @ 17% of the Invoice value and is entitled for a refund a part of VAT on export. Accordingly, VAT differential of 4% on the FOB price has been adjusted from the invoice price to arrive at net export price at ex-factory level. Accordingly, pending further clarification and verification of the claims made, the Authority has determined the net export price of the above exporter as follows:

Producer/Exporter	Qty in MT	Net Invoice value USD/MT	Adjustments claimed USD	VAT Adjustments USD/MT	Net Export Price USD/MT
Sinorgchem Co. Shandong	***	***	***	***	***

Export Price for Non-cooperating exporters from China

23. In respect of non-cooperating exporters from China, the lowest import price based upon IBIS data source has been considered. Adjustments like Ocean freight etc. has been allowed at par with the ones allowed in respect of Co-operating exporters from China as above, to arrive at export price at ex-factory level. By adopting this method the export price at ex-factory level in respect of non-co-operating exporters from China works out to be as per table below:

S.No.	Product Description	Net-Export Price US\$ /MT
1.	MBT	***
2.	TDQ	***
3.	TMT	***
4.	PX13(6PPD)	***
5.	CBS	***
6.	PVI	***

F.4. Normal Value and Export Price and Dumping Margin in respect of Korea Kumho, Korea RP

a. Normal Value

24. The responding producer/exporter has reported that it has exported ***MT of 6-PPD/PX-13 to India at an average Ex-factory export price of US \$ ***/Kg. with regard to normal value, the producer has requested that on the sale of ***MT of 6PPD, the unit realization was US \$ ***/Kg. Accordingly, the producer-exporter claimed that it has not dumped 6 PPD into India.

25. Contrary to above, the domestic industry has claimed that the normal value in Korea is quite high. Domestic industry has produced evidence showing that the subject goods produced by Korea Kumho have been sold in Korean domestic market at a price ranging between Won *** Won *** Per MT. Domestic industry has further claimed that normal value in Korea should be determined as the weighted average price considering import volume from various sources and sales made by the domestic industry. Based on information released by KITA on its website, the domestic industry claimed that *** MT 6PPD has been imported into Korea at a CIF price of US \$ *** per kg. Considering 6.5% customs duty, the price to a Korean customer comes to US \$ ***/Kg. According to the domestic industry, the Korean domestic demand is about 7000-8000 MT and the imports thus constitute significant proportion (more than 50% of domestic demand). The domestic industry supplemented its claim of this price based on import price from India reported by KITA and sales invoices of domestic industry in respect of its exports to Korea. Domestic industry has argued that the domestic selling price for Korean producer cannot be different from the landed cost of the imported material which constitutes more than 50% of the demand. Even if there is variation in prices, same has to be within reasonable limits and the variation cannot be to the extent as is reflected in the data with the Authority provided by the Domestic Industry and the one claimed by the responding exporter from Korea RP. Domestic industry has concluded that it was inconceivable that a Korean producer would have sold the material at lower prices in the domestic market.

26. The domestic industry has also argued that the normal value under the Rules means the comparable price for the like article when meant for consumption. The words "like articles", "comparable price", "meant for consumption" clearly implied that such prices were not limited to the prices at which goods are sold by the producer concerned. Relying upon the judgment of the Hon'ble Supreme Court in the matter of Reliance Industries Ltd., and the practice adopted by the Designated Authority thereafter, the domestic industry has argued that in any case it was justified to consider weighted average of the prices for the goods sold in the domestic market, considering the volumes imported for sale and volumes sold by Korea Kumho.

27. Considering the information provided by Korea Kumho, import data furnished by J.K. Industries Ltd. and submissions made by the domestic industry, it would be appropriate to determine normal value on the basis of weighted average of import volumes into Korea RP and sales volumes of Korea Kumho in the Domestic Market in Korea for the purpose of preliminary findings. Normal value for PX-13 (6PPD) has been determined accordingly pending further investigation and verification. Accordingly, the normal value works out as under:-

	Qty./MT	Unit Rate/ US \$/MT
Korea Kumho	***	***
Imports	***	***
	***	***
		Or US\$ ***/Kg

b. Export Price

28. The responding producer has reported ex-factory export price as US \$

*** /Kg. as per response filed by them with the Authority.

c.. Export Price for Non-Cooperating Exporters from Korea

29. In respect of non-cooperating exporters from Korea, the lowest import price based upon IBIS data source has been considered. Adjustments like Ocean freight etc. has been allowed at par with the ones allowed in respect of Co-operating exporters from Korea as above, to arrive at export price at ex-factory level. By adopting this method the export price at ex-factory level in respect of non-co-operating exporters from Korea works out to be as per table below:

S.No	Product Description	Net-Export Price US\$ /MT
1.	PX13 (6PPD)	***

d. Dumping Margin For Co-Operating Exporters From Korea PR

30. The Dumping Margin based upon the above calculations of Normal Value and Export price works out to 6.54% as per table below.

	US\$/Kg.
Normal Value	***
Export Price	***
Dumping Margin	***
DM %	6.54%

e. Dumping Margins for Non-Co-operating exporters From Korea PR

31. The dumping margin for Non-Co-operating exporters from Korea PR based upon the normal value and export price works out to 19.31% as per table below:

Normal Value US\$/Kg.	Export Price US\$/Kg.	Dumping Margin US\$/Kg.	DM %
***	***	***	19.31

F.5. Dumping Margins For Producers Exporters From China PR

32. For the purpose of determination of dumping margin the ex-works normal value and export prices, so determined, provisionally, have been compared at the same level of trade and dumping margin has been provisionally determined for the exporters from the subject country as follows:-

a. Co-operating exporters

Product	Producer	Exporter	Normal Value	Export Price	Dumping Margin	DM %
			USD/Kg	USD/Kg	USD/Kg	
PVI	Shandong Sanxian Chemical Co. Ltd.	Shandong Sanxian Chemical Co. Ltd.	***	***	***	7.09
	Shandong Yongqui Hantai Chemicals Ltd	Shandong Yongqui Hantai Chemicals Ltd	***	***	***	14.02
TMT	Shandong Sanxian Chemical Co. Ltd.	Shandong Sanxian Chemical Co. Ltd.	***	***	***	70.00
CBS	Shandong Sanxian Chemical Co. Ltd.	Shandong Sanxian Chemical Co. Ltd.	***	***	***	32.24
MET	Shandong Sanxian	Shandong Sanxian	***	***	***	35.43

	Chemical Co. Ltd.	Chemical Co. Ltd.				
PX-13 (6PPD)	Sinorgchem Company Shandong	Sinorgchem Company Shandong	***	***	***	36.68

b. Non-Co-operating Exporters

S.No.	Product Description	Normal Value US\$ /K.G	Export Price US\$ /K.G	Dumping Margin US\$ /K.G	DM %
1.	PVI	***	***	***	17.95
2.	TMT	***	***	***	90.49
3.	CBS	***	***	***	51.02
4.	MBT	***	***	***	52.84
5.	PX13(6PPD)	***	***	***	58.72
6.	TDQ	***	***	***	48.17

33. The dumping margins so determined provisionally are significant and above de minimis level.

G. Injury Determination

G.1 Examination of Injury and Causal Link:

34. Rule 11 of Anti-Dumping Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, "taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles" In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such import is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

35. The authority notes that the application for imposition of anti-dumping duty has been filed by M/s. NOCIL, who commands a major proportion of total production of subject goods in India. In terms of Rule 2(b) of the Rules the above producers has been treated as the domestic industry for the purpose of this investigation. The Authority also notes that there

are three other known producers of the subject goods in India i.e. M/s. Lanxess India Pvt.Ltd., PMC Rubber Chemicals India Pvt.Ltd. and M/s. Merchem Ltd. The petitioner claimed that some of the Indian producers have substantially existed from the manufacture of rubber chemicals and turned traders resorting to imports of rubber chemicals, others have started importing intermediates from China even at penultimate stage where further processing involved is insignificant in terms of total production activities.

36. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. are required to be considered in accordance with Annexure II of Rules. All economic parameters affecting the Domestic Industry as indicated above such as production, capacity utilization sales volume etc. are also required to be examined.

G.2. Views of the Domestic Industry:

37. The following are the views of domestic industry:-

- a. The domestic industry has suffered material injury in respect of each of the subject rubber chemicals.
- b. Imports of each of the subject rubber chemicals have increased.
- c. On the issue of **Production, sales, capacity utilization, productivity and market share** they have submitted as follows:
 - i. **TDQ, PX-13, MBT, PVI** – production, sales, capacity utilization and productivity improved up to 2005-06. The same however, materially **declined in the period of investigation.**
 - ii. **CBS** – production and sales volumes increased throughout the injury period but **capacity utilization declined.**
 - iii. **TMT** – production and capacity utilization increased up to 2005-06, but declined thereafter. However, **domestic sales volumes increased through the injury period.**
 - iv. Dumping has led to significant idling of capacities.
 - v. Market share of the domestic industry in respect each the subject rubber chemicals has declined significantly over the injury period whereas that of the imports has increased.
- d. With regard to the **factors affecting prices, price undercutting, and price underselling** following has been pleaded:

- i. These factors have prevented them from increasing prices to match.
 - ii. Imports are significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market.
 - iii. Significant price undercutting has forced the domestic industry to reduce the prices and increase the discounts, which kept increasing over the injury period.
 - iv. The petitioner is under selling the product to a significant extent as per claimed.
 - v. Imports are preventing price increases consequent upon and proportionate to increase in input costs.
- e. Regarding **Profit/Loss, return on investment and cash flow**, following is the result as a result of dumping:
- i. In respect of each of the subject rubber chemicals, profit, return on investment and cash profits improved significantly till 2005-06 with imposition of anti-dumping duties on sources earlier found to be dumping.
 - ii. However, profit, return on investment and cash profit declined very significantly once again in the period of investigation, with the fresh dumping from such countries.
- f. **Inventories** – The inventory levels has very significantly increased over the injury period.
- g. **Working capital** – Dumping has led to increase in working capital.
- h. **Contribution margin** – The contribution margins improved up to 2005-06. The same however, has declined thereafter sharply in the period of investigation.
- i. **Debtors** – The average collection period increased significantly over the injury period.
- j. **Employment and wages** – Number of employment and wages paid have declined over the injury period.
- k. **Ability to raise capital investment** – The Company has made fresh investments considering that the demand for rubber chemicals is increasing significantly.
- l. **Growth** – Growth of the domestic industry was positive in respect of each of the subject rubber chemicals up to 2005-06. However, growth became negative in respect of each of the subject rubber chemicals during the period of investigation.

Negative growth can be seen in respect of most of the parameters. Further, growth became increasingly negative on quarter-by-quarter basis.

m. Domestic industry has suffered material injury during period of investigation. The deterioration is more pronounced in case the parameters such as production, capacity utilization, sales volumes, profit/loss, cash flow, and return on investments are seen on quarter-by-quarter basis.

G.3 Views of the Exporters.

38. Sinorgchem Group Of Companies has submitted that the petitioner has submitted misleading and incomplete information on the issues of Injury to the Domestic Industry. It has been claimed that out of 12 injury parameters analysed, only 4 indicate injury where as all other parameters including profitability are showing an increasing trend. It has further been submitted that NOCIL has deliberately made a comparison of those parameters where no injury could be found with the just proceeding year and not the base year. They have sought that Authority should make the injury analysis by comparing the performance during POI with the base year. It has been pleaded that claim of the petitioner that they had to reduce the prices commensurate to reduction in landed price is incorrect and misleading and on the contrary NOCIL could raise prices during the injury period more than increase in cost and has been able to increase its profits during the period of investigation compared to base injury period. They have pleaded that the claim of Domestic Industry that the prices have not increased commensurate to the cost of production is misleading as the NSR has increased by 54% compared to Cost of Production by only 24%. It has also been pointed out that the claim of NOCIL that PBIT has become negative during POI compared to base year is misleading as this is a misplaced notion in such a situation where increase in sales price is more than the increase in cost of production. It has been concluded in its submissions that NOCIL has been able to mislead the Authority on the basis of incorrect analysis.

G.4 Examination by the Authority

39. The Authority has noted the views expressed by the interested parties in respect of the injury claims of the domestic industry and examined the mandatory factors for the purpose of provisional injury determination and causal link analysis in these findings.

G.5 Cumulative assessment of injury

40. As per annexure-II (iii) of the Rules, in case, imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti-Dumping investigation, the Authority is required to cumulatively assess effect of such imports, only when it determines that

a. The margin of dumping established in relation to imports from each country is more than 2% expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is 3% of the imports of like article, and,

b. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article.

41. In the instant case, investigations in respect of 6PPD are from more than one country. The Authority, therefore, examined whether the injury to the domestic industry must be determined cumulatively from these two sources in respect of 6 PPD. The Authority has found that the margin of dumping in respect of each of the subject country is more than 2% and the volume of imports from each country is also more than 3%. Cumulative assessment of injury is appropriate in respect of these two countries in view of the followings-

i. The subject goods have been imported from the subject countries under the same tariff classification;

ii. The Authority has found that the imported subject goods are commercial substitutes of the domestically produced 6 PPD.

iii. The information furnished to the Authority gives a reasonable indication that the exports made from the subject countries compete in the same market, as these are like products.

iv. Imports from Korea and China have been made by same category of customers who are buying the product from the domestic industry.

42. The Authority notes that it is appropriate to cumulatively assess the effect of dumped imports of 6 PPD on the domestically produced like article.

G.6 Volume Effect of dumped imports and Impact on domestic industry

43. Subject Rubber Chemicals have been reported under Customs Subheading 38.12, 29.34 and 29.25 under the Customs Tariff Act. Since the customs classification are not dedicated to the product under consideration and summary import information published by DGCI&S includes imports of the products which are beyond the scope of investigation, the information, therefore, can not be relied upon for determination of volume and value of

imports of product under consideration. Volume of imports for each of the subject rubber chemical from China & Korea RP has been determined based on the data provided by IBIS. The imports from subject countries are more than de minimis individually.

G.6.1 Import Volumes and share of subject country

44. Volumes of imports for each of the subject rubber chemicals have been as under:-

	Units	2003-04	2004-05	2005-06	POI
<u>PX 13</u>					
China RP	MT	23	182	443	1570
Korea RP	MT	51	699	1480	3392
Subject Countries	MT	74	881	1923	4962
Other countries	MT	3367	4775	2154	709
Total Imports	Mt	3441	5656	4077	5671
<u>MBT</u>					
China RP	Mt	118	280	447	619
Other countries	Mt	2	8	13	15
Total Imports	Mt	120	288	460	634
<u>CBS</u>					
China RP	Mt	285	672	623	570
Other countries	Mt	77	174	14	31
Total Imports	Mt	362	846	637	601
<u>PVI</u>					
China RP	Mt	129	191	210	361
Other countries	Mt	6	0	0	11
Total Imports	Mt	135	191	210	372
<u>TDO</u>					
China RP	Mt	23	734	851	1096
Other countries	Mt	531	664	640	253
Total Imports	Mt	554	1398	1491	1349
<u>TMT</u>					
China RP	Mt	37	100	235	188
Other countries	Mt	0	0	2	4
Total Imports	Mt	37	100	237	191
Market Share in Imports					
<u>PX 13</u>					
China RP	%	0.67	3.21	10.87	27.69
Korea RP	%	1.48	12.36	36.30	59.81
Subject Countries	%	2.15	15.57	47.17	87.50
Other countries	%	97.85	84.43	52.83	12.50
<u>MBT</u>					
China RP	%	98.33	97.22	97.17	97.64
Other countries	%	1.67	2.78	2.83	2.36

CBS					
China RP	%	78.73	79.42	97.80	94.84
Other countries	%	21.27	20.58	2.20	5.16
PVI					
China RP	%	95.56	100.00	100.00	97.01
Other countries	%	4.44	0.00	0.00	2.99
TDO					
China RP	%	4.15	52.50	57.07	81.25
Other countries	%	95.85	47.50	42.93	18.75
TMT					
China RP	%	100.00	100.00	99.16	98.17
Other countries	%	0.00	0.00	0.84	1.83

45. The Authority notes that

- a. Imports of each of the rubber chemical from the subject countries have increased significantly over the injury period in absolute terms;
- b. Share of subject countries in respect of each of the subject rubber chemical has increased significantly over the injury period excepting MBT and TMT.
- c. The imports which were earlier primarily from other countries which are already attracting anti-dumping duties, these imports during POI are now primarily from China. Such a situation prima facie shows that subject countries have crowded out the imports earlier found to be at dumped prices from such other countries.
- d. In their individual capacity the result of the analysis regarding imports from subject country / ies vis-à-vis total imports into India shows that:
 - i. **PX 13** the Increase in volume of imports is consistently high throughout the injury period to POI and market share of imports from subject countries has increased from a negligible 2.15% in 2003-04 to a huge 87.50% during POI.
 - ii. **MBT** though the market share in imports from China PR has remained more or less the same the quantum of jump is by 500MT compared to just by 13 MT from other sources.
 - iii. **CBS** the volume of imports from subject country has had a huge increase in terms of volume till 2005-06 but there is a marginal decrease in this volume during POI. However this decrease is barely 3% compared to 19% increase in 2005-06 compared to the volume in 2003-04.

- iv. **PVI** though the increase in imports from subject country is near about 300% during POI compared to base year 2003-04, the market share of China in total imports has remained more or less the same.
- v. **TDQ** the market share of imports from China PR has increased to 81% during POI compared to just 4% during base period 2003-04.
- vi. **TMT** though the imports from subject country have increased many fold, the market share of imports from China PR has remained unchanged.

G.7 Demand and Market shares

46. Demand of subject goods has been determined by adding domestic sales of domestic industry, domestic sales of other Indian producers and imports from all countries. The Authority notes that demand for the subject goods had been growing from base year to POI.

47. Share of imports for each of the subject rubber chemicals in demand/consumption in India has been as under-

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
PX 13					
Domestic Industry	MT	***	***	***	***
Other Producers	MT	***	***	***	***
Total Import	MT	3441	5656	4077	5671
Total Demand	MT	6999	8557	9581	9716
MBT					
Domestic Industry	MT	***	***	***	***
Other Producers	MT	***	***	***	***
Total Import	MT	120	288	460	634
Total Demand	MT	949	1182	1090	1074
CBS					
Domestic Industry	MT	***	***	***	***
Other Producers	MT	***	***	***	***
Total Import	MT	362	846	637	601
Total Demand	MT	1717	2098	2551	2653
PVI					
Domestic Industry	MT	***	***	***	***
Other Producers	MT	***	***	***	***
Total Import	MT	135	191	210	372
Total Demand	MT	616	747	864	948
TDQ					
Domestic Industry	MT	***	***	***	***
Other Producers	MT	***	***	***	***

Total Import	MT	554	1398	1491	1349
Total Demand	MT	4767	5549	6004	6300
TMT					
Domestic Industry	MT	***	***	***	***
Other Producers	MT	***	***	***	***
Total Import	MT	37	100	237	191
Total Demand	MT	1003	1189	1217	1390
Market share in demand Indexed					
PX 13					
Domestic Industry	%	***	***	***	***
Other Producers	%	***	***	***	***
China RP	%	***	***	***	***
Korea RP	%	***	***	***	***
Subject Countries	%	***	***	***	***
Import from Other countries	%	***	***	***	***
MBT					
Domestic Industry	%	***	***	***	***
Other Producers	%	***	***	***	***
China RP	%	***	***	***	***
Import from Other countries	%	***	***	***	***
CBS					
Domestic Industry	%	***	***	***	***
Other Producers	%	***	***	***	***
China RP	%	***	***	***	***
Import from Other countries	%	***	***	***	***
PVI					
Domestic Industry	%	***	***	***	***
Other Producers	%	***	***	***	***
China RP	%	***	***	***	***
Import from Other countries	%	***	***	***	***
TDO					
Domestic Industry	%	***	***	***	***
Other Producers	%	***	***	***	***
China RP	%	***	***	***	***
Import from Other countries	%	***	***	***	***
TMT					
Domestic Industry	%	***	***	***	***
Other Producers	%	***	***	***	***
China RP	%	***	***	***	***
Import from Other countries	%	***	***	***	***

48. From the above able, the Authority notes the following:

- (i) **PX-13**-Demand for the product has gone up substantially from **6998 MT (2003-04)** to **9716 MT (POI)**. The market share in demand in respect of imports from subject countries which was only **1.06% during 2003-04** reached to a level of **51.07% in POI** and as a result, the share of domestic industry, which was *****% during 2003-04** came down to *****% during POI**. The share of Indian producers (including domestic industry) which was *****% in 2003-04** came down to *****% during POI**. The market share of imports from other countries which was **48.10% of total demand during 2003-04** declined to **7.30% during POI**.
- (ii) **MBT**- Demand for the product has gone up from **949MT (2003-04)** to **1074 (MT) in POI**. The imports from China which was only **12.43% of the demand during 2003-04** went up to **57.63% during POI**. While the share of domestic industry remained almost at the same level, the market share of total Indian producers (including domestic industry) which was *****% of total demand in 2003-04** came down to only *****% in POI**.
- (iii) **CBS**- Demand for the product has gone up substantially from **1717 MT in 2003-04** to **2653 MT during POI**. The market share of the domestic industry, which was *****% during 2003-04**, came down to *****% during POI**. The share of imports from China which was **16.57% in 2003-04** went up to **21.49% during POI**.
- (iv) **PVI**- Demand for the product has gone up substantially from **616 MT in 2003-04** to **948 MT during POI**. In spite of the growth in demand, the market share of the domestic industry which was *****% in 2003-04** came down to *****% during POI** whereas imports from China went up from **20.88% to 38.05% during the period**. Further, the market share of Indian producers (including domestic industry) which was *****% during 2003-04** came down to *****% of the demand during POI**.
- (v) **TDQ**-Demand for the product has gone up from **4766 MT during 2003-04** to **6300 MT during POI**. In a situation when there is growth in demand, the domestic industry could not retain its market share which fell from *****% in 2003-04** to *****% during POI**. The market share of Indian producers (including domestic industry) which was *****% during 2003-04** declined sharply to *****% during POI**. At the same time, the imports from China which were only at **0.47% of demand during 2003-04** went up sharply to **17.39% in POI**.

vi) TMT--Demand for the product has gone up from 1003MT in 2003-04 to 1390 MT during POI but the market share of domestic industry came down from ****% in 2003-04 to ****% in POI. The market share of Indian producers (including domestic industry) which was ****% during 2003-04 came down to ****% during POI. The share of imports from China which was only 3.69% in 2003-04 went up significantly to 13.50% during POI.

G.8 Capacity, production and capacity utilization of the Domestic Industry

PX 13	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Installed Capacity	MT	***	***	***	***
Production	MT	***	***	***	***
Capacity Utilization (%)	%	82	83	81	71
MBT					
Installed Capacity	MT	***	***	***	***
Production	MT	***	***	***	***
Capacity Utilization (%)	%	64	84	52	63
CBS					
Installed Capacity	MT	***	***	***	***
Production	MT	***	***	***	***
Capacity Utilization (%)	%	91	85	84	81
PVI					
Installed Capacity	MT	***	***	***	***
Production	MT	***	***	***	***
Capacity Utilization (%)	%	90	90	96	88
TDQ					
Installed Capacity	MT	***	***	***	***
Production	MT	***	***	***	***
Capacity Utilization (%)	%	82	82	88	78
TMT					
Installed Capacity	MT	***	***	***	***
Production	MT	***	***	***	***
Capacity Utilization (%)	%	75	68	90	75

49. The authority notes the following from above the table:

i. PX-13- The production during 2003-04 was *** MT which went up to *** MT during 2004-05. Thereafter, the production started declining and reached to a level of *** MT during POI. As a result, the capacity utilization which was in the range of 81% - 83% during the preceding 3 years declined to 71% during POI although increase in installed capacity has also contributed to this marginal decrease by about 9%.

- ii. **MBT-** during 2003-04, the production of domestic industry was ***MT which went up to *** MT at plant-capacity utilization of 84%. Thereafter production declined during 2005-06 to the level of *** MT. During POI, the production was *** MT and capacity utilisation was 63% against 84% during 2004-05 and 63% during 2003-04. Capacity utilisation which was 84% in 2004-05 has reduced to 63% in the POI in spite of installed capacity being stagnant.
- iii. **CBS-** The domestic industry has been increasing the capacity for the product having regard to the increasing demand. Capacity utilization which was 91% during 2003-04 declined to 81% during the POI. However substantial increase in installed capacity has also contributed to this decline.
- iv. **PVI-**Although both production and capacity utilization has increased in POI as compared to base year but the same declined as compared to 2005-06.
- v. **TDQ-** The domestic industry has increased the capacity for the product to meet the increasing demand for the product in India. Capacity utilization which was 82% both during 2003-04 and 2004-05 went up further to 88% during 2005-06 against which during POI, the capacity utilization was only 78%. The decline can again be attributed to marginal increase in installed capacity.
- vi. **TMT-**Both production and capacity utilization was increasing till 2005-06. The capacity utilization during 2005-06 was 90% which has sharply declined to 75% during POI.

G.9 Dumped Imports in relation to Indian Production

Particulars	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07
Dumped Imports in relation to Indian Production					
Imports from subject countries					
MBT	MT	118	280	447	619
CBS	MT	285	672	623	570
PVI	MT	129	191	210	361
PX-13	MT	74	881	1,923	4,962
TDQ	MT	23	734	851	1,906
TMT	MT	73	100	235	188
Indian Production					
MBT	MT	***	***	***	***
CBS	MT	***	***	***	***
PVI	MT	***	***	***	***
PX-13	MT	***	***	***	***
TDQ	MT	***	***	***	***

TMT	MT	***	***	***	***
Subject imports share in Indian production		***	***	***	***
MBT	%	***	***	***	***
CBS	%	***	***	***	***
PVI	%	***	***	***	***
PX-13	%	***	***	***	***
TDQ	%	***	***	***	***
TMT	%	***	***	***	***

50. The Authority notes that imports from subject countries in relation to Indian production have been rising throughout the injury period. Excepting CBS and TMT, the imports from subject countries went up further during POI as compared to proceeding year 2005-06.

G.10 Sales volume of Domestic Industry – Domestic Market

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
PX 13	MT	***	***	***	***
MBT	MT	***	***	***	***
CBS	MT	***	***	***	***
PVI	MT	***	***	***	***
TDQ	MT	***	***	***	***
TMT	MT	***	***	***	***

51. The authority notes the following from the above table:

- i. **PX-13-Sales** in POI have declined substantially as compared to both base year and immediate preceding year.
- ii. **MBT-Sales** of the domestic industry have seen an increasing trend in 2004-05 and there after have started declining.
- iii. **CBS-Sales** have increased over the year's right through the injury period to POI.
- iv. **PVI- Sales** has increased over the years and is more or less stagnant in 2005-06 and POI. The sale volumes can be treated more or less stagnant during injury period through POI.
- v. **TDQ-During** 2003-04, the sales were at *** MT which marginally declined during 2004-05 but went up during 2005-06 to the level of *** MT but declined to *** MT during POI.
- vi. **TMT- Sales** have increased during the injury period thru POI.

H.1 Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry & factors affecting prices

52. With regard to the effect of dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of like product in India or whether effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase, which otherwise would have occurred to a significant degree.

53. The impact of dumped imports on the prices of the domestic industry from the subject countries have been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the weighted average cost of production, Net Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject countries.

54. While working out the net sales realization of the domestic industry, the rebates, discounts and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty paid have been reduced.

55. Price undercutting has been determined by comparing the landed value of dumped imports from the subject countries over the entire period of investigation with the net sales realization of the domestic industry for the same period. For this purpose landed value of imports has been calculated by adding 1% landing charge and applicable basic customs duty to the value reported in the IBIS data of import prices from the subject countries.

56. For the purpose of price underselling the landed prices of imports from subject countries have been compared with the Non-injurious price of the domestic industry determined for the POI.

H.1.1. Price undercutting and underselling effects

		POI					
	Unit	PX 13	MBT	CBS	PVI	TDQ	TMT
Net Sales Realization	Rs/kg	***	***	***	***	***	***
Landed Price							
China RP	Rs/kg	***	***	***	***	***	***
Korea RP	Rs/kg	***					
Total subject countries	Rs/kg	***	***	***	***	***	***
Price undercutting							

China RP	Rs/Kg	***	***	***	***	***	***
Korea RP	Rs/kg	***					
Total subject countries	Rs/kg	***	***	***	***	***	***
Price undercutting (%)							
China RP	%	15%	18%	22%	7%	21%	22%
Korea RP	%	7%					
Total subject countries	%	10%	18%	22%	7%	21%	22%
Non Injurious Price	Rs/Kg	***	***	***	***	***	***
Price Underselling							
China RP	Rs/Kg	***	***	***	***	***	***
Korea RP	Rs/Kg	***					
Total subject countries	Rs/Kg	***	***	***	***	***	***
Price Underselling (%)							
China RP	%	23%	16%	18%	9%	18%	26%
Korea RP	%	16%					
Total subject countries	%	18%	16%	18%	9%	18%	26%

57. From the above table, the Authority notes that the landed value of dumped imports of subject rubber chemicals individually from the subject countries and also cumulatively (for 6 PPD) have been undercutting the domestic prices significantly. Further, the landed value from the subject countries are also significantly below the non-injurious price of the domestic industry.

H.1.2 Price suppression and depression effects of the dumped imports:

58. Movements in cost of Sales vs. selling price

PX 13	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Cost of Sales	Rs/Kg	***	***	***	***
Selling Price	Rs/Kg	***	***	***	***
Profit/Loss	Rs/Kg	(22.30)	(6.27)	36.06	10.33
MBT					
Cost of Sales	Rs/Kg	***	***	***	***
Selling Price	Rs/Kg	***	***	***	***
Profit/Loss	Rs/Kg	3.86	8.53	22.97	14.24
CBS					
Cost of Sales	Rs/Kg	***	***	***	***
Selling Price	Rs/Kg	***	***	***	***
Profit/Loss	Rs/Kg	26.19	30.27	49.09	22.86

PVI					
Cost of sales	Rs/Kg	***	***	***	***
Selling Price	Rs/Kg	***	***	***	***
Profit/Loss	Rs/Kg	75.00	28.42	9.34	20.10
TDQ					
Cost of sales	Rs/Kg	***	***	***	***
Selling Price	Rs/Kg	***	***	***	***
Profit/Loss	Rs/Kg	(3.76)	15.52	42.06	15.47
TMT					
Cost of sales	Rs/Kg	***	***	***	***
Selling Price	Rs/Kg	***	***	***	***
Profit/Loss	Rs/Kg	6.75	11.28	17.87	4.61

59. To examine the price suppression effect of the dumped imports on the domestic prices, the trend of net sales realization has been compared with the cost of production.

60. The Authority notes that there were upward trends in the cost of sales during the injury period excepting CBS, PVI and TDQ where the cost of sales came down during POI as compared to previous year. Increase in cost of sales has mainly been due to increase in inputs price, as the domestic industry has been able to reduce the conversion cost over the years.

61. The movement in selling price of PX-13 (6 PPD) shows that while during POI, the cost of sales went up by about 2%, on the contrary, the selling price came down by about 10%. Similarly, in respect of MBT while cost of sales went up during POI over 2005-06, the selling price registered a fall of about 5%. In the case of CBS, while cost of sales came down by about 2%, the selling price fell by about 14% during POI over 2005-06. In respect of TDQ, while cost of sales declined by about 6% during POI over 2005-06, the selling price fell significantly by about 22% during the period. In the case of TMT, while cost of sales went up during POI over 2005-06, the selling price, on the contrary, came down by about 11%.

62. The above analysis indicates that the fall in the sales realization has been significantly higher than the decline in the cost of sales. In the case of PX-13 (6-PPD), MBT and TMT, while cost of sales went up during POI over 2005-06, the selling prices, on the contrary, registered a significant fall. It, therefore, appears that the price effect of the dumped imports have forced the domestic industry to keep its prices lower in order to retain its market share.

H.1.3 Examination of other Injury Parameters

63. The above analysis shows that the dumped import have adverse volume and price effect on the domestic industry in terms of increase in volume of dumped imports both in

absolute terms and market shares excepting CBS and TMT. The price under cuttings in respect of each of the rubber chemicals i.e. subject goods has been significant. The movement in selling price has not been commensurate with the corresponding movements in cost of sales. In the case of 6PPD, MBT and TMT, while cost of sales went up during POI, the selling price fell significantly over 2005-06. However, in the case of CBS and TDQ, the net sales realization of the domestic industry has been slightly higher than non-injurious price. In short, excepting CBS, the domestic industry has suffered either volume injury or price injury or both.

H.1.4. Profits Return on investments and cash flow

PX 13	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Profit before Tax	Rs/Lacs	***	***	***	***
PBIT	Rs/Lacs	***	***	***	***
PBDT- Cash profit	Rs/Lacs	***	***	***	***
MBT					
Profit before tax	Rs/Lacs	***	***	***	***
PBIT	Rs/Lacs	***	***	***	***
PBDT-Cash profit	Rs/Lac	***	***	***	***
		***	***	***	***
		***	***	***	***
CBS					
Profit before tax	Rs/Lacs	***	***	***	***
PBIT	Rs/Lacs	***	***	***	***
PBDT-Cash profit	Rs/Lac	***	***	***	***
PVI					
Profit before tax	Rs/Lacs	***	***	***	***
PBIT	Rs/Lacs	***	***	***	***
PBDT	Rs/Lac	***	***	***	***
		***	***	***	***
		***	***	***	***
TDQ					
Profit before tax	Rs/Lacs	***	***	***	***
PBIT	Rs/Lacs	***	***	***	***
PBDT-cash profit	Rs/Lac	***	***	***	***
		***	***	***	***
		***	***	***	***
TMT					
Profit before tax	Rs/Lacs	***	***	***	***
PBIT	Rs/Lacs	***	***	***	***
PBDT-Cash Profit	Rs/Lac	***	***	***	***

64. The above table indicates that the profitability of the domestic industry, excepting in respect of PVI was increasing till 2005-06 but declined sharply in the POI. In the case of

PVI, there was a decline in the profitability from the base year 2003-04 itself and this trend has continued right up to POI.

H.1.5. Return on Investment and ability to raise capital

PX 13	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
PBIT	Rs/Lacs	***	***	***	***
Net Fixed Assets	Rs/Lacs	***	***	***	***
Working Capital	Rs/Lacs	***	***	***	***
Capital Employed-NFA	Rs/Lacs	***	***	***	***
Return on Capital Employed (NFA Basis)	%	***	***	***	***
MBT					
PBIT	Rs/Lacs	***	***	***	***
Net Fixed Assets	Rs/Lacs	***	***	***	***
Working Capital	Rs/Lacs	***	***	***	***
Capital Employed-NFA	Rs/Lacs	***	***	***	***
Return on Capital Employed (NFA Basis)	%	***	***	***	***
CBS					
PBIT	Rs/Lacs	***	***	***	***
Net Fixed Assets	Rs/Lacs	***	***	***	***
Working Capital	Rs/Lacs	***	***	***	***
Capital Employed-NFA	Rs/Lacs	***	***	***	***
Return on Capital Employed (NFA Basis)	%	***	***	***	***
PVI					
PBIT	Rs/Lacs	***	***	***	***
Net Fixed Assets	Rs/Lacs	***	***	***	***
Working Capital	Rs/Lacs	***	***	***	***
Capital Employed-NFA	Rs/Lacs	***	***	***	***
Return on Capital Employed (NFA Basis)	%	***	***	***	***
TDQ					
PBIT	Rs/Lacs	***	***	***	***
Net Fixed Assets	Rs/Lacs	***	***	***	***
Working Capital	Rs/Lacs	***	***	***	***
Capital Employed-NFA	Rs/Lacs	***	***	***	***
Return on Capital Employed (NFA Basis)	%	***	***	***	***
TMT					
PBIT	Rs/Lacs	***	***	***	***
Net Fixed Assets	Rs/Lacs	***	***	***	***
Working Capital	Rs/Lacs	***	***	***	***
Capital Employed-NFA	Rs/Lacs	***	***	***	***
Return on Capital Employed (NFA Basis)	%	***	***	***	***

65. The Authority notes that there has been decline in ROI in all the products in the POI excepting PVI. In the case of PVI, the return on capital employed improved during POI over 2005-06 but is still significantly lower than base year 2003-04.

H.2. Productivity

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
PX 13	MT	***	***	***	***
MBT	MT	***	***	***	***
CBS	MT	***	***	***	***
PVI	MT	***	***	***	***
TDQ	MT	***	***	***	***
TMT	MT	***	***	***	***

66. The data on production per employee shows that the productivity, excepting CBS and TDQ declined during POI as compared to base year as well as previous year. The fall in production during POI, (excepting MBT and CBS), is the main reason for this decline in production over 2005-06. The productivity in respect of TMT has not been worked out because the domestic industry get this product manufactured on job-basis from outside.

H.3. Employment and wages

	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
PX 13					
Employment (Manpower Strength)	Nos.	***	***	***	***
Wages	Rs/Lacs	***	***	***	***
MBT					
Employment (Manpower Strength)	Nos.	***	***	***	***
Wages	Rs/Lacs	***	***	***	***
CBS					
Employment (Manpower Strength)	Nos.	***	***	***	***
Wages	Rs/Lacs	***	***	***	***
PVI					
Employment (Manpower Strength)	Nos.	***	***	***	***
Wages	Rs/Lacs	***	***	***	***
TDQ					
Employment (Manpower Strength)	Nos	***	***	***	***
Wages	Rs/Lacs	***	***	***	***
TMT					
Employment (Manpower Strength)	Nos.	***	***	***	***
Wages	Rs/Lacs	***	***	***	***

67. The employment level does not show significant change. TMT a product, which is being job, worked from out side hence no workers.

H.4. Inventories

PX 13	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Opening Stock	MT	***	***	***	***
Closing Stock	MT	***	***	***	***
Average Stock	MT	***	***	***	***
Average stock in terms of no.of days'sales	Nos.	5	15	15	31
MBT					
Opening Stock	MT	***	***	***	***
Closing Stock	MT	***	***	***	***
Average Stock	MT	***	***	***	***
Average stock in terms of no.of days'sales	Nos.	32	32	61	29
CBS					
Opening Stock	MT	***	***	***	***
Closing Stock	MT	***	***	***	***
Average Stock	MT	***	***	***	***
Average stock in terms of no.of days'sales	Nos.	19	19	29	25
PVI					
Opening Stock	MT	***	***	***	***
Closing Stock	MT	***	***	***	***
Average Stock	MT	***	***	***	***
Average stock in terms of no.of days'sales	Nos.	21	34	40	37
TDQ					
Opening Stock	MT	***	***	***	***
Closing Stock	MT	***	***	***	***
Average Stock	MT	***	***	***	***
Average stock in terms of no.of days'sales	Nos.	11	21	37	47
TMT					
Opening Stock	MT	***	***	***	***
Closing Stock	MT	***	***	***	***
Average Stock	MT	***	***	***	***
Average stock in terms of no.of days'sales	Nos.	37	25	49	47

68. The Authority notes that there has been accumulation of inventory during the injury period and POI as under:-

- i) **PX-13** The average inventory which was only ***MT during 2003-04 started mounting up and reached to a level of *** MT. The closing stock (as on 31.3.2007) at the end of POI was ***MT. The average inventory, in terms number of days' sales, which was 5 days in 2003-04 went up significantly during 2004-05 and 2005-06 and reached to 31 days during POI.
- ii) **MBT** The average inventory during 2003-04 was *** MT which went up to ***MT and ***MT during 2004-05 and 2005-06 respectively. During POI, the average inventory was higher than the base year 2003-04.
- iii) **CBS** The average inventory which was *** MT in 2003-04 and *** MT in 2004-05 increased to *** MT in 2005-06. During POI, the inventory further went up to *** MT. The average inventory, in terms of number of days' sales, which was 19 days in 2003-04 increased to 25 days in POI.
- iv) **PVI** The average inventory which were *** MT in 2003-04 and increased to ***MT in 2004 and 141 MT in 2005-06. During POI, the average inventory was *** MT. The average inventory in terms of number of days' sales, which was 21 days, increased to 37 days in POI.
- v) **TDQ** The average inventory which was *** MT in 2003-04 increased to *** MT in 2004-05 and *** MT in 2005-06. The average inventory in POI further went up to the level of *** MT. The average inventory, in terms of number of days sales, which was 11 days in 2003-04 increased steadily and reached to a level of 47 days in POI.
- vi) **TMT** The average inventory during 2003-04 was *** MT which went up to *** MT in 2005-06 and ***MT in POI. In terms of number of days' sale, the average inventory went up from 37 days (2003-04) to 47 days (POI).

H.5 Growth

69. The growth in demand shows positive trend from base year to POI on year to year basis. Growth on account of Production, sales, selling price and market share were negative in the POI.

H.6. Investment

70. The company has made fresh investments considering that the demand for rubber chemicals is increasing significantly with the significant increase in vehicles production in the Country. While the dumping has so far not impacted the ability of the company to raise

capital in the short run, it is quite possible that persistent dumping would have significant adverse impact.

H.7. Magnitude of Dumping

71. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margins determined against the subject countries, for the POI, are significant.

H.8. Conclusion on injury

72. On the injury front the Authority concludes as under:

i. **PX-13** – Imports of PX13 during POI increased significantly in absolute terms. Imports increased significantly in relation to total imports into India, production and consumption in India. With regard to price effect, it is noted that imports were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market and selling price of the domestic industry declined significantly during POI. As regards consequent impact of dumped imports on the domestic industry, it is noted that the product was earlier facing dumping from Europe and Taiwan and interim anti dumping duties were imposed on 7th July, 2005. Performance of the domestic industry first improved and thereafter deteriorated in POI in terms of production, capacity utilization, selling price, profits, cash profit and return on investments. Domestic sales & market share declined and inventories increased throughout the injury period. Imports were suppressing domestic prices. The Authority notes that improvements in some parameters between 2003-04 and 2005-06 was on account of recovery from past dumping from other sources, while deterioration in 2005-06 and 2006-07 were due to dumping from subject countries.

ii. **PVI** – Imports of PVI increased significantly in absolute terms. Imports increased significantly in relation to production and consumption in India. With regard to price effect, it is found that imports were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market and selling price of the domestic industry declined significantly over the injury period. As regards consequent impact of dumped imports on the domestic industry, it is noted that performance of the domestic industry deteriorated in terms of production, capacity utilization, market share, inventories, selling price, profits, cash profit and return on investments. Even though domestic sales increased up to 2005-06, the same declined in investigation

period even when demand increased and the domestic industry had enhanced capacity in 2004-05. Imports were depressing the domestic prices throughout the injury period.

iii. **TDQ** – Imports of TDQ increased significantly in absolute terms. Imports increased significantly in relation to imports in India and & production/consumption in India. With regard to price effect, imports were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market. Resultantly, selling price of the domestic industry, which increased upto 2005-06, declined significantly thereafter in investigation period. Resultantly, profits, cash profits and return on investment declined in the investigation period. As regards consequent impact of dumped imports on the domestic industry, it is noted that the product was earlier facing dumping from EU and Taiwan, wherein investigations were initiated and anti dumping duties were imposed on 7th July, 2005. Performance of the domestic industry improved in terms of production, capacity utilization, domestic sales, selling prices, profit/loss, cash profits, return on investments between 2003-04 and 2005-06 as a result of imposition of anti dumping duties on EU and Taiwan. However, the performance in respect of all these factors deteriorated once again in the investigation period with dumping from China. Inventories with the domestic industry increased throughout the period. The domestic industry added capacities in line with increase in demand. However, capacity utilization declined significantly in the investigation period after improving upto 2005-06. The Authority notes that improvements in a number of parameters between 2003-04 and 2005-06 was on account of recovery from past dumping from other sources, while deterioration in investigation period were due to dumping from China.

iv. **TMT** – Imports of TMT increased significantly in absolute terms and in relation to production/ consumption in India. With regard to price effect, imports were significantly undercutting the price of the domestic industry in the market. As a result, selling price of the domestic industry increased upto 2005-06, but declined in investigation period. Further, while cost of sales increased, selling prices declined. As regards consequent impact of dumped imports on the domestic industry, performance of the domestic industry improved in terms of production, capacity utilization, sales volumes, profits, return on investments and cash profits upto 2005-06, whereas inventories increased and market share declined. The domestic industry were forced to reduce prices significantly in the investigation period and consequently, profits, return on investments and cash profits declined.

v. **CBS** – Imports of CBS increased significantly in absolute terms and in relation to production/consumption in India. With regard to price effect, imports were significantly undercutting the price of the domestic industry in the market, selling price of the domestic industry increased between 2003-04 to 2005-06 and declined significantly during the investigation period. As regards consequent impact of dumped imports on the domestic industry, it is noted that the performance of the domestic industry improved in terms of production, sales volume, profitability, PBIT, cash profit upto 2005-06 but deteriorated during POI (excepting production and sales volume. The capacity utilization during POI declined mainly due to enhanced capacity through production volume increased. The domestic industry during POI, could realize the selling price above the non-injurious price. The market share of domestic industry went up during POI over 2005-06.

vi. **MBT** – Imports of MBT increased significantly in absolute terms and in relation to production/consumption in India. With regard to price effect, imports were significantly undercutting the price of the domestic industry in the market. Selling price of the domestic industry increased up to 2005-06 and declined significantly during the investigation period, whereas cost of production increased throughout the injury period. The imports were thus suppressing as also depressing the prices of the domestic industry in the market. As regards consequent impact of dumped imports on the domestic industry, sales of the domestic industry improved upto 2004-05 and declined thereafter. Production and capacity utilization increased significantly in 2004-05 but declined in 2005-06 and thereafter increased again in investigation period, even though the levels were lower than 2003-04 and 2004-05. Whereas cost of sales increased throughout the injury period, the selling price increased upto 2005-06 and declined in investigation period. Resultantly, profits, cash profits and return on investments improved upto 2005-06 and declined in investigation period.

73. On the basis of above analysis, the Authority provisionally concludes that the performance of the domestic industry deteriorated in terms of production, sales volumes, capacity utilization, market share, factors effecting prices, profits, return on investment, cash profits, thus collectively and cumulatively showing that the domestic industry has suffered material injury.

H.9 Growth

74. Growth of the domestic industry was positive in respect of each of the subject rubber chemical up to 2005-06. However, growth became negative in respect of each of the subject

rubber chemicals during the proposed investigation period. Negative growth has been seen in respect of most of the parameters.

J. Causal Link

i. **PX-13** - Imports of PX-13 were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market. As a direct consequence, while volume of imports increased on one hand, selling prices of the domestic industry declined on the other hand. Consequently, domestic sales, market share, profit/loss, cash profits, return on investment, which were improving till 2005-06, declined once again significantly in the investigation period and inventories with the domestic industry increased. Authority notes that improvements in some parameters between 2003-04 and 2005-06 was on account of recovery from past dumping from other sources, while deterioration in 2005-06 and 2006-07 were due to dumping from subject countries.

ii. **PVI** - Imports of PVI were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market. As a direct consequence, while volume of imports increased on one hand, selling prices of the domestic industry declined on the other hand. Consequently, performance of the domestic industry with regard to production, capacity utilization, inventories, market share, profit/loss, cash profits, return on investment deteriorated over injury period. Significant price undercutting throughout the period has resulted in significant price depression in the market. Resultantly, whereas domestic sales were increasing till 2005-06, the same declined in the investigation period.

iii. **TDQ** - Imports of TDQ were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market. As a direct consequence, while volume of imports increased significantly on one hand, selling prices of the domestic industry, which were increasing till 2005-06 after imposition of anti dumping duty on other countries declined significantly in investigation period. Consequently, performance of the domestic industry, which was improving till 2005-06 with imposition of anti dumping duties on other sources, deteriorated once again in terms of production, domestic sales, capacity utilization, inventories, market share, profit/loss, cash profits, return on investment deteriorated during investigation period and inventories with the domestic industry increased. Significant price undercutting throughout the period has resulted in significant deterioration in profits, return on investment and cash profits. The authority however notes that the market share of Indian Producers as a whole

(including domestic industry), which was 75.16% during 2005-06, improved to 78.58% during POI. Further, the Domestic Industry was able to realize, almost, Non-Injurious Price.

iv. **TMT** - Imports of TMT were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market. As a direct consequence, while volume of imports increased on one hand, selling prices of the domestic industry, which were increasing till 2005-06, declined in the investigation period. Consequently, performance of the domestic industry with regard to production, capacity utilization, inventories, market share, profit/loss, cash profits, return on investment deteriorated over injury period.

v. **MBT** - Imports of MBT were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market. As a direct consequence, while volume of imports increased on one hand, selling prices of the domestic industry, which were increasing till 2005-06, declined in the investigation period even when cost of production increased throughout the injury period. Consequently, performance of the domestic industry with regard to production, capacity utilization, inventories, market share, profit/loss, cash profits, return on investment deteriorated. As a result of significant price undercutting, profits, cash profits and return on investments continued to decline in POI.

vi. **CBS** - Imports of CBS were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market. As a direct consequence, while volume of imports increased on one hand, selling prices of the domestic industry, which increased between 2004-05 and 2005-06, declined in the investigation period. Consequently, performance of the domestic industry, which was improving till 2005-06, declined significantly in the investigation period with regard to profit/loss, cash profits, and return on investment. The Authority notes that the domestic industry enhanced its capacity during POI as a result of which capacity utilization declined during POI. Authority also notes that despite lower capacity utilization, the market share of domestic industry improved during POI. That apart, the domestic industry was able to realize the selling price above the Non-Injurious Price.

K. Examination of Other Known Factors

K.1 Volume and prices of imports from other sources

75. Volume and value of imports from other countries are either de-minimis or the prices are significantly higher. In fact, in all the subject rubber chemicals, share of other countries

(in imports in India) declined significantly in respect of PX-13 (6-PPD), MBT and TDQ and that of subject countries increased significantly. The petitioner has claimed that imports from other countries are not causing injury to the domestic industry.

K.2 Contraction in demand and / or change in pattern of consumption

76. Demand for the subject rubber chemicals is on the increase. Possible decline in the demand has, therefore, not contributed to any injury to the domestic industry. At the same time, in spite of rising demand in the market, sales of the domestic industry either in absolute term or relative to consumption has declined.

K.3 Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

77. Material injury has been caused to domestic industry from dumped imports. The petitioner is producing the subject rubber chemicals for the past several years. The technology adopted by domestic industry is comparable to the technology adopted by other players world-over. There is no significant difference in the manufacturing process. In fact, minor developments in processes apart, technology for production of various rubber chemicals, including subject rubber chemicals, are fairly matured, established and standardized, with little technological innovations and developments.

78. The Authority notes that there is no restricted practice prevalent in the industry which could be attributed to the injury to the domestic industry.

K.4 Development of technology

79. The technology as also production process for producing various rubber chemicals is fairly stabilized with little technical or technological developments. There is hardly any technological advancement.

K.5 Export performance

PX 13	Unit	2003-04	2004-05	2005-06	POI
Export Sale	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	103.92	119.56	101.28
MBT					
Export Sale	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	137.21	28.01	128.56
CBS					
Export Sale	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	97.73	97.78	166.21
PVI					
Export Sale	MT	***	***	***	***

Trend	Indexed	100.00	90.68	100.53	93.24
TDO					
Export Sale	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	91.65	109.03	108.93
TMT					
Export Sale	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	116.47	91.21	125.83

80. The petitioner has segregated injury caused due to adverse export performance and injury caused in the domestic market due to dumping in Indian market. Thus, the injury being claimed is the injury being caused due to performance in the domestic market alone.

K.6. Performance of other products of the Domestic Industry

81. Performance of other Rubber Chemicals being produced and sold by the Company has also deteriorated, reasons for which are dumping of those products. Petitioner is facing dumping in respect of some other Rubber Chemicals also. However, different rubber chemicals are not like articles. Further, Annexure II to the Rules provides that when separate information in respect of like product can be provided separately, the same should be considered as the relevant information. It is only when separate information in respect of product under consideration and other products cannot be combined that the Rules authorize inclusion of other products also in the injury analysis. Following the legal provision, the authority has not included injury caused in other products in the injury information being provided in respect of the products for which the present petition is being filed.

82. No other factor which could have possibly caused injury to the domestic industry has been brought to the knowledge of Authority.

L. Conclusion On Causation

83. Significant increase in the volume of dumped imports has resulted in significant decline in the market share of domestic industry. It is further seen that decline in market share of domestic industry as a consequence of increase in market share of subject imports from subject countries prevented the domestic industry from increasing their sales commensurate to growth in demand. As a result, sales of domestic industry during POI did not increase to such an extent that domestic industry could have optimally utilized its capacity. Consequently, production, sales and capacity utilization of the domestic industry suffered as a result of the decline in the market share of the domestic industry. Significant price undercutting caused by dumped imports prevented the domestic industry from increasing its prices to the extent of increase in costs. Resultantly, profit, cash flow and return on

investment of the domestic industry deteriorated in the POI. Significant price-undercutting and substantial increase in the volume of dumped imports adversely affected the performance of the domestic industry in terms of profits, cash flow, and return on investment, which parameters deteriorated in POI after improving till 2005-06.

84. The Authority has, therefore, provisionally concluded that the dumped imports originating in the subject countries have caused material injury to the domestic industry within the meaning of Rule 11 of Anti-dumping Rules and article 3.5 of Agreement of Anti-dumping.

M: Magnitude of Injury Margin

85. The non-injurious price determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports for determination of injury margin. The weighted average landed price of the exports from the subject country and the injury margins have been worked out as follows:

L.1. Injury margin Calculations

N. Conclusions

86. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

A. The subject goods have been exported to India from the subject countries below its normal value;

B. The domestic industry has suffered material injury;

C. The injury has been caused by the dumped imports from subject countries.

O. Indian industry's interest & other issues

87. The Authority recognizes that imposition of anti-dumping duties might affect the price level of product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantage gained by dumping practices, would arrest the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. Consumers could still maintain two or even more sources of supply.

88. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict

imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

P. Recommendations

89. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry in terms of the Rules laid down and having provisionally established positive dumping margin against the subject countries, as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury pending completion of the investigation.

90. Therefore, Authority considers it necessary and recommends provisional anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.

91. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury may be recommended, denominated in Indian Rupees, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional anti-dumping duty equal to the amount indicated in Col 8 of the table below is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries

Q.1. Duty Table

S.N o.	Sub. Heading	Descri- ption	Specifi- cation	Country Of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit Mea- sure- ment	Curren- cy
-1	-2	-3	-4	-5	-6	-7	-8	-9	-10	-11
1	2503, 2902, 2907, 2909, 2917, 2921, 2925, 2930, 2933, 2934, 2935, 2942, 3811, 3812, 3815	Rubber chemical PX- 13	note 1 belo	Chin	China	Sinorgchem (Group) Co	Sinorgche m (Group) Co	48.34	Per kg	NR
2	- do -	do		China	Any	Any other than above	Any other than above	66.62	Per kg	INR
3	- do -	do		Any other than Korea	China	Any other than above	Any other than above	66.62	Per kg	INR

4	- do -	do		Korea	Korea	Korea Kumho Petrochemicals Co Ltd.	Kumho Petrochemicals Co Ltd.	10.44	Per kg	INR
5	- do -	do		Korea	Any	Any other than above	Any other than above	27.56	Per kg	INR
6	- do -	do		Any other than China	Korea	Any other than above	Any other than above	27.56	Per kg	INR
7	- do -	Rubber chemical MBT	note below	2 China	China	Shandong Shanxian Chemical Co. Ltd.	Shandong Shanxian Chemical Co. Ltd.	23.11	Per kg	INR
8	- do -	do		China	Any	Any other than above	Any other than above	33.51	Per kg	INR
9	- do -	do		Any	China	Any other than above	Any other than above	33.51	Per kg	INR
10	- do -	Rubber chemical TDQ	note below	3 China	Any	Any	Any	20.55	Per kg	INR
11	- do -	do		Any	China	Any	Any	20.55	Per kg	INR
12	- do -	Rubber chemical TMT	note below	4 China	China	Shandong Shanxian Chemical Co. Ltd.	Shandong Shanxian Chemical Co. Ltd.	NIL	Per kg	INR
13	- do -	do		China	Any	Any other than above	Any other than above	NIL	Per kg	INR
14	- do -	do		Any	China	Any other than above	Any other than above	NIL	Per kg	INR
15	- do -	Rubber chemical CBS	note below	5 China	China	Shandong Shanxian Chemical Co. Ltd.	Shandong Shanxian Chemical Co. Ltd.	NIL	Per kg	INR
16	- do -	- do -		China	Any	Any other than above	Any other than above	NIL	Per kg	INR
17	- do -	- do -		Any	China	Any other than above	Any other than above	NIL	Per kg	INR
18	- do -	Rubber chemical PVI	note below	6 China	China	Shandong Shanxian Chemical Co. Ltd.	Shandong Shanxian Chemical Co. Ltd.	12.45	Per kg	INR
19	- do -	- do -		China	China	Shandong Yanggu Huatai Chemical Co. Ltd.	Shandong Yanggu Huatai Chemical Co. Ltd.	23.44	Per kg	INR
20	- do -	- do -		China	Any	Any other than above	Any other than above	29.34	Per kg	INR
21	- do -	- do -		Any	China	Any other than above	Any other than above	29.34	Per kg	INR

Regarding specifications as(Col.. 4 above) ,following table shall be applicable

	Generic name	Classification	Other trade name/brand names
1	6PPD	3810, 3812, 2921, 9801	N- (1, 3-dimethyl butyl)-N' Phenyl – p –phenylenediamine, or 6C, or Pilflex 13, Sirantox 4020, Antioxidant 4020, Kumhonax 13, Vulcanox 4020
2	MBT	2934, 2942, 3812	2-Mercapto Benzothiazole, or Accelerator M , Accelerator MBT
3	TMQ	2921, 2933, 2934, 3812, 9801	Polymerized 2,2, 4-Trimethyl-1,2-dihydroquinoline, or TDQ or Antioxidant RD
4	TMT	2930, 2942 3812	Tetramethylthiuram Disulfide ,or Accelerator TMTD , Thiuram C
5	CBS	2934, 3812	N-cyclohexyl-2-benzothiazole sulphenamide, or Accelerator CZ, Accelerator HBS , CBS
6	PVI	2921, 2925 2935, 3812	N-(Cyclohexylthio)phthalimide , or Anti Scorch Agent CTP , PVI

R. Further Procedures

95. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:-

- a. The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final finding;
- b. Exporters, importers, applicants and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- c. The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- d. The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

R. GOPALAN, Designated Authority